मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 225
रविवार, 01 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

देश से नफरत करने वालों की राह पर कांग्रेस: पीएम मोदी

अजमेर, 28 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विपक्षी कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए भारत के विभाजन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र किया और आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक ताकतों का देश को कमजोर करने का इतिहास रहा है। अजमेर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने रक्षा तैयारियों को लेकर भी विपक्ष पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के दौरान सशस्त्र बलों को संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ा।

मोदी ने कहा कि यह वही कांग्रेस थी जिसने हमारे सैनिकों को हथियारों और वर्दी के लिए भी इंतजार करवाया। सैनिकों के परिवारों को 'एक रैंक एक पेंशन' से वंचित रखा गया। उनके कार्यकाल में विदेशी देशों के साथ रक्षा सौदों में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि अखिल भारतीय मुस्लिम लीग भारत से नफरत करती थी और देश के विभाजन के लिए जिम्मेदार थी। तुलना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस भी उसी राह पर चल रही है।

उन्होंने कांग्रेस पर देश को बदनाम करने और राष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि माओवादी भारत की समृद्धि, संविधान और लोकतंत्र से नफरत करते हैं। इसी तरह, कांग्रेस देश को बदनाम करने का मौका ढूंढती है और इसके लिए हर जगह घुसपैठ करती है। देश ऐसे कुकर्मों को कभी माफ नहीं करेगा। 2014 से शुरू की गई पहलों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में आने से पहले, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपेक्षा की जाती थी।

उन्होंने कहा कि हमने 2014 से पहले का वह दौर देखा जब शौचालयों की कमी के कारण हमारी बहनों और बेटियों को अपमान सहना पड़ता था। अलग शौचालय की सुविधा न होने के कारण लड़कियां स्कूल छोड़ देती थीं। पहले सत्ता में रहे लोगों के लिए ये छोटी-मोटी बातें थीं। राजस्थान में विकास के बारे में बात करते हुए मोदी ने कहा कि भाजपा की दो इंजन वाली सरकार विरासत और प्रगति के बीच संतुलन बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि अच्छी सड़कें, रेल और हवाई संपर्क न केवल यात्रा को आसान बनाते हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र का भाग्य बदल देते हैं। जब सड़कें गांवों तक पहुंचती हैं, तो किसान अपनी फसलें उचित मूल्य पर बेच सकते हैं और व्यापारी अपने बाजारों का विस्तार कर सकते हैं।

ईरान के रक्षा मंत्री की मौत, कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मारे गए, इजरायल ने किया दावा

इजरायल, 28 फरवरी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच इजरायल ने दावा किया है कि उसके हालिया हवाई हमलों में ईरान के कई वरिष्ठ अधिकारी मारे गए हैं, जिसमें ईरान के रक्षा मंत्री आमीर सनीरजदेह की मौत हो गई है। न्यूज एजैंसी रायटर्स के मुताबिक हमलों का मुख्य निशाना ईरान के उच्च पदस्थ अधिकारी थे और इस ऑपरेशन में उन्हें बड़ा नुकसान पहुंचा है। ईरानी सेना के कमांडर की भी मौत हो गई है। हालांकि, अभी ईरान की तरफ से इसको लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं हुआ है, लेकिन इजरायल के दावे ने इस जंग को और गहरा कर दिया है। मिडिल ईस्ट में तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिका और इजरायल ने शनिवार को ईरान पर संयुक्त रूप से बड़ा सैन्य हमला शुरू करने का दावा किया है। दोनों देशों का कहना है कि यह कार्रवाई ईरान के परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल विकास को रोकने के उद्देश्य से की गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि अमेरिका ने ईरान में मेजर कॉम्बैट ऑपरेशंस शुरू कर दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान लगातार अपने परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा है और ऐसी मिसाइलें विकसित कर रहा है जो अमेरिका तक पहुंच सकती हैं। ट्रंप ने अपने बयान में ईरान के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे इस मौके का फायदा उठाकर देश की सत्ता अपने हाथ में लें। उन्होंने ईरान की सेना और रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स से हथियार डालने की मांग की और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। इसी बीच रक्षा मंत्री और रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स के शीर्ष कमांडर की मौत की खबरों को ईरान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

इजराइल-अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच अफगानिस्तान में पाकिस्तानी लड़ाकू विमान क्रैश, तालिबान ने पायलट को बंदी बनाया

अफगानिस्तान, 28 फरवरी। शनिवार सुबह इजराइल-अमेरिका-ईरान के बीच पूर्वी अफगानिस्तान के रणनीतिक शहर Jalalabad में एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर से सनसनी फैल गई। समाचार एजेंसी Agence France-Presse (AFP) के हवाले से अफगान सैन्य व पुलिस सूत्रों ने दावा किया कि पायलट को जीवित पकड़कर बंदी बना लिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हवाई अड्डे के पास दो जोरदार विस्फोट हुए। धमाकों से पहले आसमान में जेट की आवाज गूंजी और कुछ ही देर बाद क्रैश की सूचना आई। जलालाबाद, नंगरहार प्रांत की राजधानी, काबुल और पाक सीमा को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित अहम केंद्र है—यहां की घटना सीधे सैन्य पहुंच और कड़े प्रतिरोध का संकेत मानी जा रही है। पाकिस्तान के राज्य मंत्री Talal Chaudhry ने टीवी कार्यक्रम में कहा कि जब तक तालिबान गुरिल्ला मानसिकता नहीं छोड़ता, नीति नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा, यह युद्ध जीता जाएगा जरूरत पड़ी तो कठोर दृष्टिकोण अपनाकर इसे समाप्त करेंगे। अफगान विदेश मंत्रालय के अधिकारी Zakir Jalali ने बताया कि सैन्य कार्रवाई के साथ सक्रिय कूटनीति भी जारी है। काबुल ने Turkey, Qatar और Saudi Arabia के विदेश मंत्रियों से परामर्श किया है।

तालिबान प्रशासन का कहना है कि उनकी कार्रवाई रक्षात्मक है और पाकिस्तानी घुसपैठ के जवाब में की गई है। शुक्रवार को तालिबान वायुसेना द्वारा इस्लामाबाद के करीब हमलों के बाद शनिवार का यह क्रैश तनाव को और बढ़ा गया। पायलट के पकड़े जाने का दावा पाकिस्तान के लिए सैन्य व कूटनीतिक झटका माना जा रहा है।

दोनों देशों के बीच संवाद लगभग ठप है। सीमाई झड़पें अब व्यापक सैन्य टकराव का रूप लेती दिख रही हैं। जलालाबाद व आसपास के इलाकों में नागरिकों में दहशत है और कई परिवार सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं।

मिडल ईस्ट में महासंग्राम, तेहारान पर इजरायली हमले के बाद भारत ने जारी की एडवायजरी, नागरिकों को 'अत्यधिक सावधानी' बरतने की सलाह

इजराइल, 28 फरवरी। इजराइल ने शनिवार को सेंट्रल तेहरान पर एक सटीक हमला किया, जिससे सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के ऑफिस के पास धुएं का गुबार उठ गया - 86 साल के लीडर वर-ईरान न्यूक्लियर टकराव के बीच पब्लिक में नहीं दिखे। अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि इसमें वर का हाथ है, हालांकि वॉशिंगटन की भूमिका के बारे में डिटेल्स साफ नहीं हैं; यह तब हुआ जब अमेरिका ने ईरान को अपने न्यूक्लियर इरादों पर काबू पाने के लिए फाइटर जेट और वॉरशिप जमा किए, जिसे प्रेसिडेंट ट्रंप तेहरान में विरोध प्रदर्शनों से पैदा हुई घरेलू अशांति के बीच एक फायदा मानते हैं। ईरानी स्टेट टीवी ने बिना किसी खास जानकारी के धमाकों की रिपोर्ट दी, जबकि गवाहों ने शुरूआती धमाके सुने; कोई हताहत का आंकड़ा सामने नहीं आया, लेकिन डिफेंस मिनिस्टर इजराइल कैट्ज के अनुसार इजराइल ने इस ऑपरेशन को ॠखतरों को हटानेॠ के तौर पर बताया।

भारतीय दूतावास की इस अपील से उसके बाहर रहने वाले लोगों झ्र 18,000 से ज्यादा स्टूडेंट्स और अनगिनत प्रवासी मजदूरों झ्र के लिए इंसानी खतरे बढ़ गए हैं, जो ढिलाई के लिए जीरो टॉलरेंस दोहराते हैं, क्योंकि होम फ्रंट कमांड की गाइडलाइन्स लाइफलाइन बन गई हैं। इमरजेंसी प्लान में निकलने के ऑप्शन हैं, लेकिन इस पहले कभी नहीं हुई बढ़ोतरी के बीच, जिसमें न्यूक्लियर खतरे की धमकी के साथ सीधे शहरी हमलों को मिलाया जा रहा है, हालात के बारे में जानकारी पर ध्यान दिया जा रहा है। नई दिल्ली बारीकी से नजर रख रही है, और क्षेत्रीय डोमिनोज के डगमगाने पर नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है।

साथ ही, पूरे इजराइल में सायरन बजने लगे क्योंकि उसने एयरस्पेस बंद कर दिया और प्रोएक्टिव मिसाइल अलर्ट जारी किए, ताकि ईरानी जवाबी हमले के लिए तैयार हो सके जो वर बेस और लोगों को निशाना बना सकते हैं झ्र ईरान ने ऐसे एसेट्स को पहले से चेतावनी दी थी कि वे निशाना बन सकते हैं। तेहरान ने भी आसमान बंद करके और मोबाइल सर्विस बंद करके जवाब दिया, जिससे शहर में कम्युनिकेशन ब्लैकआउट हो गया और दूसरे धमाकों की गूंज सुनाई दी। यह टाइमिंग रुकी हुई न्यूक्लियर बातचीत के साथ मेल खाती है, जहाँ ईरान यूरेनियम एनरिचमेंट के अधिकारों पर जोर दे रहा है, जबकि मिसाइल प्रोग्राम और हमास और हिज्बुल्लाह के लिए प्रॉक्सी सपोर्ट से बच रहा है, जिससे बड़े युद्ध का डर बढ़ रहा है। वर प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने तनाव बढ़ने की पुष्टि करते हुए कहा कि अमेरिका ने कुछ देर पहले ईरान में ॠबड़े कॉम्बैट ऑपरेशनॠ शुरू किए हैं ताकि सरकार के बढ़ते खतरों को बेअसर करके नागरिकों को बचाया जा सके। उन्होंने ईरान के न्यूक्लियर हथियार हासिल करने पर पूरी तरह रोक लगाने का वादा किया, और तेहरान की अपने एटॉमिक प्रोग्राम को फिर से शुरू करने की कोशिशों की आलोचना की, साथ ही वर और उसके साथियों के लिए खतरा बनी लंबी दूरी की खतरनाक मिसाइलों की भी। ट्रंप ने ईरान की मिसाइल फैक्ट्रियों को पूरी तरह खत्म करने का वादा किया - ॠउन्हें जमीन पर गिरा दोॠ - और उसकी नेवी को खत्म कर दिया, यह पक्का करते हुए कि तेहरान कभी भी न्यूक्लियर हथियारों से लैस न हो।

राहुल गांधी बोले- सरकार फौरन भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करे

नई दिल्ली, 28 फरवरी। भारत में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष के मद्देनजर, जो पूरे मध्य पूर्व में फैल चुका है, सरकार से अपने लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल और सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया है। गांधी ने कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती शत्रुता बेहद चिंताजनक है। मध्य पूर्व में प्रत्येक भारतीय नागरिक की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मैं भारत सरकार से अपने लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल और सक्रिय कदम उठाने का आग्रह करता हूं।

ईरान ने बहरीन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर लक्षित मिसाइल हमला किया है। भारत में ईरानी दूतावास ने शनिवार को कहा कि बहरीन में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे को ईरानी मिसाइल हमलों का निशाना बनाया गया। दूतावास ने हमले के बाद का एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें धुएं के गुबार दिखाई दे रहे हैं। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने इससे पहले अपने खिलाफ जायोनी शासन की क्रूर आक्रामकता की निंदा करते हुए दावा किया कि उनके हमले ईरान के दुश्मन की आक्रामकता का जवाब हैं।

भारत में ईरानी दूतावास ने कहा कि अल्लाह के नाम पर, जो अत्याचारियों का नाश करने वाला है। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के खिलाफ शत्रुतापूर्ण और आपराधिक दुश्मन की आक्रामकता के जवाब में, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने कब्जे वाले क्षेत्रों की ओर व्यापक मिसाइल और ड्रोन हमलों की पहली लहर शुरू कर दी है। इससे पहले, खलीज टाइम्स के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी ईरानी सेना द्वारा दागी गई मिसाइलों को रोका था।

पश्चिम बंगाल एसआईआर की फाइनल वोटर लिस्ट जारी, 5.46 लाख वोटर्स के नाम लिस्ट से हटा दिए गए

कोलकता। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया ने शनिवार को स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के बाद पश्चिम बंगाल के लिए वोटर लिस्ट जारी की। 28 फरवरी, 2026 तक, राज्य में कुल 70,459,284 वोटर हैं और 546,053 वोटरों के नाम लिस्ट से हटा दिए गए हैं (फॉर्म 7)। मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में SIR के बाद की वोटर लिस्ट में वोटरों की संख्या 7.04 करोड़ से ज्यादा हो गई है, जिसमें बदलाव के दौरान नाम हटाए और जोड़े गए हैं। अग्रवाल ने रिपोर्टर्स को बताया कि वोटर रोल में बदलाव की प्रक्रिया में Form-7 के जरिए 5.46 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम हटाए गए।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

आबकारी नीति मामले में आप नेताओं का बरी होना बड़ी संजीवनी

-ललित गर्ग

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा कथित आबकारी नीति प्रकरण में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपितों को दोषमुक्त किए जाने का निर्णय समकालीन राजनीतिक और विधिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अर्थात सीबीआई द्वारा पंजीकृत किया गया था और लंबे समय से सार्वजनिक बहस के केंद्र में था। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत आरोप ठोस साक्ष्यों और विश्वसनीय गवाहियों पर आधारित नहीं हैं तथा आरोपपत्र में वर्णित दावे न्यायिक परीक्षण की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। न्यायालय की यह टिप्पणी कि अनुमानों और अटकलों को विधिसम्मत प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, न केवल इस विशेष प्रकरण बल्कि समग्र अन्वेषण प्रक्रिया के लिए भी गंभीर संकेत देती है। आबकारी नीति मामले यह फैसला आप के लिए एक बड़ी संजीवनी या ह्लप्राणवायुह्ल के समान है। यह फैसला आप को ह्लकट्टर ईमानदारह्ल की छवि वापस पाने और आगामी चुनावों के लिए एक आक्रामक रुख अपनाने में मदद करेगा, जिससे विपक्षी दलों का मनोबल भी बढ़ा है। कोर्ट से मिली क्लीन चिट ने आप नेताओं की साख बहाल की है जिससे पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। यह निर्णय ह्लराजनीतिक प्रतिशोधह्ल के नैरेटिव को बल देता है जिससे आप अपनी

छवि को बेदाग साबित कर पा रही है। विपक्षी दल इस घटना को केंद्रीय एजेंसियों सीबीआई एवं ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ एक जीत के रूप में देख रहे हैं जिससे उन्हें केंद्र के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। इस फैसले से दिल्ली और पंजाब में आप को मजबूती मिलेगी और वह आगामी चुनावों के लिए आक्रामक प्रचार कर सकती है।

विवाद का मूल वर्ष 2021 में लागू की गई नई आबकारी नीति से जुड़ा था। उस समय दिल्ली सरकार ने तर्क दिया था कि शराब व्यापार में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से राजस्व में वृद्धि होगी, भ्रष्टाचार कम होगा और व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। किंतु नीति के क्रियान्वयन के बाद उस पर अनियमितताओं तथा कथित पक्षपात के आरोप लगाए गए। यही आरोप आगे चलकर आपराधिक प्रकरण का आधार बने। जुलाई 2022 से यह मुद्दा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख विषय बन गया और चुनावी सभाओं में इसे व्यापक रूप से उठाया गया। अब जबकि ट्रायल कोर्ट ने अभियोजन के तर्कों को अपर्याप्त पाया है, तो स्वाभाविक है कि इसका राजनीतिक प्रभाव भी पड़ेगा। हालांकि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस निर्णय को दिल्ली उच्च न्यायालय, में चुनौती देने की घोषणा की है। अतः अंतिम विधिक स्थिति अभी स्पष्ट नहीं मानी जा सकती। साथ ही प्रवर्तन निदेशालय, अर्थात ईडी ने यह कहा है कि उससे संबंधित धनशोधन प्रकरण की जांच स्वतंत्र आधारों पर चल रही है। यदि उच्च न्यायालय भी निचली अदालत के निर्णय को बरकरार रखता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठेगा कि समान घटनाक्रम से जुड़े विभिन्न अन्वेषणों की विधिक संगति किस प्रकार सुनिश्चित की जाएगी।

इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संस्थागत विश्वसनीयता से जुड़ा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अन्वेषण एजेंसियों की भूमिका अत्यंत संवेदनशील होती है। वे केवल अपराध की जांच ही नहीं करतीं, बल्कि न्याय व्यवस्था के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व भी करती हैं। यदि न्यायालय यह टिप्पणी करता है कि जांच पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है या पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए, तो यह केवल एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत शुचिता पर प्रश्नचिह्न बन जाता है। न्याय का मूल सिद्धांत है कि अभियुक्त तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उसका दोष विधिसम्मत प्रमाणों के आधार पर सिद्ध न हो जाए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोपों का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शासन की समग्र विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो कठोर दंड आवश्यक है; किंतु यदि आरोप पर्याप्त प्रमाणों के अभाव में टिक नहीं पाते, तो इससे राजनीतिक विमर्श की विश्वसनीयता पर भी आघात पहुँचता है। लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु आरोपों का उपयोग यदि मुख्यतः चुनावी रणनीति के रूप में किया जाता है और वे न्यायालय में प्रमाणित नहीं हो पाते, तो इससे जनता के मन में संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है।

इस निर्णय के बाद स्वाभाविक रूप से आम आदमी पार्टी को नैतिक बल प्राप्त हुआ है। किंतु इस तथ्य को केवल किसी एक दल की विजय या पराजय के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इससे व्यापक स्तर पर यह संदेश भी जाता है कि न्यायिक प्रक्रिया स्वतंत्र है और वह अभियोजन की कमजोरी को रेखांकित करने से संकोच नहीं करती। न्यायालय की कठोर टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि केवल आरोपों की गंभीरता पर्याप्त नहीं है; उन्हें प्रमाणों की दृढ़ता से पुष्ट करना भी अनिवार्य है। दूसरी ओर, यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यदि वास्तव में किसी नीति में अनियमितता हुई थी, तो उसके समर्थन में ठोस साक्ष्य क्यों प्रस्तुत नहीं किए जा सके। क्या अन्वेषण प्रक्रिया में तकनीकी कमियाँ रहीं? क्या साक्ष्य-संग्रह में सावधानी का अभाव था? या फिर आरोपों का प्रारूपण ही पर्याप्त स्पष्ट नहीं था? ये प्रश्न केवल इस प्रकरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जांच प्रक्रियाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं।

भ्रष्टाचार-निरोध की दिशा में प्रभावी कदम तभी संभव हैं जब अन्वेषण निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत हो। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार-विरोध का नैतिक आग्रह तभी प्रभावी है जब वह स्वयं प्रमाण-आधारित हो। यदि आरोपों का आधार कमजोर होगा, तो वे न्यायिक समीक्षा में टिक नहीं पाएंगे और इससे वास्तविक भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष भी कमजोर पड़ेगा। इस घटनाक्रम ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है-अन्वेषण एजेंसियों की स्वायत्तता और उत्तरदायित्व का संतुलन। लोकतंत्र में एजेंसियों को स्वतंत्रता आवश्यक है, किंतु वह स्वतंत्रता विधिक मानकों और न्यायिक नियंत्रण के अधीन रहती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि प्रक्रिया की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यदि अभियोजन पक्ष पर्याप्त तैयारी के बिना आरोप प्रस्तुत करता है, तो उसका परिणाम यही होगा कि मामला प्रारंभिक चरण में ही कमजोर पड़ जाएगा। निश्चित तौर पर यह प्रकरण हमें यह स्मरण कराता है कि कानून का शासन केवल दंड देने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि न्यायसंगत प्रक्रिया की गारंटी भी है। आरोप सिद्ध करने की जिम्मेदारी राज्य पर होती है और वह भी संदेह से परे प्रमाणों के आधार पर। यदि यह मानक पूरा नहीं होता, तो किसी भी व्यक्ति को केवल सार्वजनिक धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस निर्णय का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो-क्योंकि उच्च न्यायालय में चुनौती लंबित है फिर भी यह अवसर अवश्य प्रदान करता है कि हम भ्रष्टाचार-निरोध की अपनी कार्ययोजना को अधिक सुदृढ़ और प्रमाण-आधारित बनाएं। राजनीतिक विमर्श को आरोपों की तीव्रता से आगे बढ़कर प्रमाणों की गुणवत्ता पर केंद्रित करना होगा। अन्वेषण एजेंसियों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी कार्रवाई निष्पक्षता और विधिक दृढ़ता का उदाहरण बने। लोकतंत्र की शक्ति उसके संस्थानों की विश्वसनीयता में निहित होती है। जब न्यायालय निर्भीक होकर जांच की कमियों को इंगित करता है, तो वह व्यवस्था को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करता है। आवश्यकता इस बात की है कि इस निर्णय को किसी दलगत लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह प्रकरण केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं रहेगा, बल्कि शासन-प्रणाली की परिपक्वता का प्रमाण भी बनेगा।

लखनऊ की एक अलग पहचान कायस्थों की होली

-संजय सक्सेना

लखनऊ की होली, बाहर से देखिए तो लगेगा बस रंग, गुलाल, हँसी-ठिठोली तक नजर आती है। मगर भीतर उतरकर देखिए तो यह शहर फागुन में सिर्फ. रंग नहीं बदलता, मिजाज भी बदलता है। यहाँ होली एक दिन का नहीं, कई दिनों का सिलसिला है। होलाष्टक लगते ही गली-कूचों में जैसे कोई अदृश्य ढोल बजने लगता है। दुकानें, घर, छतें, चौक-चौराहे हर जगह एक हलचल। और इस हलचल के बीच अगर किसी ने इस शहर की होली को उसके असली रस में संभाल कर रखा है, तो उसमें कायस्थ बिरादरी की हिस्सेदारी को नजरअंदाज करना बेईमानी होगी।लखनऊ की तहजीब को अक्सर नवाबों से जोड़कर देखा जाता है। सच है, पर अधूरा सच। तहजीब महलों से निकलकर जब गलियों में उतरती है, तभी जिंदा रहती है। होली इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। मुस्लिम समाज आम तौर पर रंगों से परहेज करता रहा, फिर भी लखनऊ की होली कभी फीकी नहीं पड़ी। वजह साफ है यहाँ त्योहार मजहब से नहीं, मिजाज से तय होते हैं। और इस मिजाज को सबसे सहजता से निभाने वालों में कायस्थ आगे रहे। कायस्थों की होली का मतलब सिर्फ. पिचकारी और गुलाल नहीं है। उनके यहाँ होली पेट से शुरू होकर दिल तक जाती है। गोश्त, कलेजी, कीमा, दुलमा ये सिर्फ. व्यंजन नहीं, फागुन की जरूरतें हैं। होली हो और गोश्त न बने, तो कायस्थ खुद को अधूरा मानता है। शराब का जिक्र दबे पाँव आता है, मगर आता जरूर है। कलेजी भुनी न हो तो जाम कैसे उतरे यह तर्क नहीं, परंपरा है।आज के दौर में लोग भूल गए हैं कि पचास-साठ साल पहले न गैस थी, न कुकर। मिट्टी के चूल्हे, लकड़ी, कोयला और घंटों की मेहनत। मांसाहार पकाना आसान काम नहीं था। मसाले कूटे जाते थे, प्याज हाथ से छीले जाते थे, और सब कुछ इत्मीनान से बनता था। इस पूरी प्रक्रिया की रीढ़ महिलाएं थीं। उनके बिना कायस्थों की होली का कोई जिक्र ही नहीं बनता। त्योहार का सारा शोर बाहर दिखता है, पर उसकी असली मेहनत रसोई में होती है।

लखनऊ में कायस्थों की आबादी बड़ी रही है। मशक गंज, निवाजगंज, बाबूगंज, नौबस्ता, रकाबगंज ये सिर्फ. मोहल्ले नहीं, कायस्थ संस्कृति की पहचान रहे हैं। होली के दिन इन इलाकों से गुजरिए तो हर घर से पकवानो और नॉनवेज की अलग-अलग खुशबू आएगी। कहीं मटन चढ़ा है, कहीं कलेजी सिक रही है, कहीं कीमा मटर। और इन सबके बीच कहीं न कहीं गिलास टकराने की आवाज भी सुनाई दे जाएगी। इसे छिपाया नहीं जाता था, बस दिखावे से बचा जाता था यही लखनवी अदा है।कायस्थों की होली में एक और बात खास रही सफाई और सलीका। गरीब से गरीब कायस्थ फटा कपड़ा पहन ले, पर साफ। और खाते-पीते घरों के लोग? वे तो हमेशा उजले, धुले, चमकते कपड़ों में ही रंग खेलते थे। रंग पड़े तो निखरे, मैल न बने। कालिख पोतना, भद्दा मजाक यह सब उन्हें कभी रास नहीं आया। हुड़दंग भी नफासत के साथ यही फर्क था। कायस्थों को अक्सर आधा मुसलमान कहा गया। वजह भी साफ थी गोश्त और शराब उनकी दिनचर्या में शामिल रहे। लेकिन यह तंज नहीं, लखनऊ में एक तरह की पहचान थी। इस पहचान ने ही उन्हें अलग बनाया। उनके घरों में ब्राह्मण, वैश्य, बनिया सब आते थे। कई ऐसे घर थे जहाँ बाहर मांसाहार निषिद्ध था, मगर होली में युवक कायस्थों के यहाँ जरूर पहुँचते थे। उन्हें पता होता था यहाँ रोक-टोक नहीं, स्वागत मिलेगा। कायस्थों को खुद खाने से ज्यादा खिलाने का शौक रहा है। आओ भाई, लो, पीयो, खाओ यह सिर्फ.कहावत नहीं थी, व्यवहार था। दुलमा को लेकर कितनी ही कहानियाँ हैं। कई लोग उसे मटर की सब्जी समझकर खा गए और बाद में पता चला कि उसमें कीमा भी था। फिर पछतावा नहीं, उलटा अगली बार बुलाने की गुजारिश। कायस्थों ने कभी किसी का भेद नहीं खोला। खिलाया भी, और बताया भी नहीं यह भी एक तरह की तहजीब है।

आज भी कायस्थ परिवारों में शादी तय होते समय पहला सवाल खान-पान का होता है। लड़की शाकाहारी है तो क्या घर में मांस बनने से परहेज तो नहीं होगा? लेकिन यह सवाल टकराव का नहीं, तालमेल का होता है। कई घरों में आज भी शाकाहारी और मांसाहारी रसोई साथ-साथ चलती है। अलग बर्तन, अलग चूल्हा पर एक ही परिवार। लखनऊ ने यही सिखाया है कि खाना वजह बनकर रिश्ते नहीं तोड़ता।कायस्थों की होली में इत्र की भूमिका भी कम अहम नहीं। अबीर-गुलाल में खस मिलाना, गीले रंग में इत्र डालना ताकि रंग पड़े तो बदन भी महके। शाम होते-होते नए धुले कपड़े, खस या हिना की खुशबू, और गले मिलना यह रस्म आज भी जिंदा है। अमीनाबाद, रकाबगंज, सआदतगंज की गलियों में यह मंजर अब भी मिल जाता है, बस देखने वाली नजर चाहिए। आज का लखनऊ बदल गया है। फ्लैट, सोसाइटी, डीजे सब आ गए हैं। पर होली का असली रस अब भी पुराने घरों, पुरानी गलियों में बसता है। कायस्थों की होली अब पहले जैसी खुली न सही, पर उसकी आत्मा अब भी जिंदा है। गोश्त की खुशबू, इत्र की महक, रंगों की फुहार और खिलाने-पिलाने की दरियादिली यह सब मिलकर लखनऊ की होली को वह बनाते हैं, जो वह है।और शायद इसी लिए कहा जाता है लखनऊ की होली सिर्फ. देखी नहीं जाती, चखी जाती है।

फीके पड़ते रंग, टूटते रिश्ते

-डॉ. सत्यवान सौरभ

होली भारतीय समाज का ऐसा पर्व रहा है, जो केवल रंगों तक सीमित नहीं था। यह मनुष्यों के बीच की दूरी मिटाने, वर्षों की कड़वाहट धो डालने और रिश्तों में नई ताजगी भरने का अवसर हुआ करता था। फाल्गुन का महीना आते ही वातावरण में एक अलग-सी उमंग घुल जाती थी। हवा में गुलाल की गंध, गलियों में बच्चों की किलकारियाँ और घर-घर से उठती लोकगीतों की स्वर-लहरियाँ जीवन को उत्सव में बदल देती थीं।

पर आज की होली, बीते समय की होली से काफी अलग दिखाई देती है। समय के साथ समाज बदला है, तकनीक बढ़ी है, सुविधाएँ आई हैं—लेकिन इन्हीं बदलावों के बीच कहीं न कहीं रिश्तों की ऊष्मा ठंडी पड़ गई है। रंग अब भी हैं, पर वे दिलों तक नहीं पहुँच पाते। एक समय था जब होली का मतलब केवल एक दिन का उत्सव नहीं होता था। वसंत पंचमी से ही इसकी तैयारियाँ शुरू हो जाती थीं। मंदिरों में फाग गूँजने लगता था, चौपालों पर ढप-चंग की थाप सुनाई देती थी और गाँव-मोहल्लों में रसिया गाने वालों की टोलियाँ निकल पड़ती थीं। यह सामूहिकता ही होली की आत्मा थी।

बच्चे मोहल्लों में समूह बनाकर होली का दान इकट्ठा करते थे। किसी ने मना भी कर दिया, तो बुरा नहीं मानते थे—हँसते-हँसाते आगे बढ़ जाते थे। रंग लगाना अपराध नहीं, अपनापन जताने का तरीका था। कोई डाँट भी दे, तो उसे होली की मस्ती समझकर भुला दिया जाता था। आज वही बच्चे मोबाइल की स्क्रीन में सिमट गए हैं, और मोहल्ले संवादहीन हो चले हैं।

होली का सबसे सुंदर पक्ष यह था कि उस दिन सामाजिक भेद-भाव धुंधले पड़ जाते थे। अमीर-गरीब, छोटा-बड़ा, अपना-पराया—सब एक ही रंग में रंगे नजर आते थे। दुश्मन भी गले मिल लेते थे। ह्लबुरा न मानो, होली हैह्ल केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि सामाजिक सहमति थी कि आज दिल खोलकर जिया जाएगा।

आज वही वाक्य मजाक बनकर रह गया है। लोग रंगों से ज्यादा सीमाएँ बचाने में व्यस्त हैं। कहीं कोई अनहोनी न हो जाए, कहीं कोई विवाद न खड़ा हो जाए—इस डर ने होली की सहजता छीन ली है। पहले घर-घर पकवान बनते थे। गुजिया, दही-बड़े, मालपुए और ठंडाई की खुशबू पूरे मोहल्ले में फैल जाती थी। पड़ोसियों की बहू-बेटियाँ भी अपने ही घर की सदस्य मानी जाती थीं। मेहमानों का स्वागत खुले दिल से होता था। आज उत्सव घर की चार दीवारों तक सिमट गए हैं। एक औपचारिक ह्लहोली मुबारकह्ल या ह्लहैप्पी होलीह्ल का संदेश रिश्तों की गर्मजोशी का स्थान ले चुका है।

समाज में बढ़ती असुरक्षा और अविश्वास ने पारिवारिक व्यवहार को भी बदल दिया है। पहले लड़कियाँ होली के दिनों में सहेलियों और रिश्तेदारों के यहाँ देर तक रुक जाती थीं। हँसी-मजाक और गीत-संगीत के बीच समय कैसे बीत जाता था, पता ही नहीं चलता था। आज वही बातें चिंता का कारण बन जाती हैं। रिश्तों पर संदेह की परतें चढ़ गई हैं।

परंपराएँ भी धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं। कभी घरों में टेसू और पलाश के फूलों से प्राकृतिक रंग बनाए जाते थे। महिलाएँ लोकगीत गाते हुए रंग घोलती थीं और बच्चे उत्सुकता से इंतजार करते थे। छोटी-छोटी लड़कियाँ गाय के गोबर से वलुडिया बनाती थीं, उन पर मालाएँ सजाती थीं। ये केवल रस्में नहीं थीं, बल्कि सामूहिक श्रम और रचनात्मकता के प्रतीक थे।

आज बाजार से खरीदे गए रासायनिक रंगों ने उन परंपराओं की जगह ले ली है। सुविधा बढ़ी है, लेकिन भावनात्मक जुड़ाव घटा है। लोकगीत अब कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक सीमित रह गए हैं। फाग और रसिया की धुनें, जो कभी फाल्गुन भर गूँजती थीं, अब दुर्लभ हो गई हैं।

होली के बाद की वह शांति भी कभी सुकून देती थी। पानी की बौछारों और हँसी की आवाजों के बाद जो ठहराव आता था, वह थकान नहीं, तृप्ति लेकर आता था। आज उत्सव कुछ घंटों में समाप्त हो जाता है और उसके साथ ही समाज फिर अपनी-अपनी बंद दुनिया में लौट जाता है। हाल के वर्षों में सामाजिक तनाव और विभाजन ने होली जैसे उत्सवों को और भी सीमित कर दिया है। कई परिवार इस दिन घर से बाहर निकलने से बचते हैं। जबकि त्योहारों का मूल उद्देश्य ही लोगों को जोड़ना, डर और नकारात्मकता से बाहर निकालना होता है।

होली केवल रंगों का पर्व नहीं है; यह क्षमा का पर्व है, मेल-मिलाप का पर्व है। यह हमें याद दिलाता है कि मनुष्य होने का अर्थ केवल अपने लिए जीना नहीं, बल्कि दूसरों के साथ हँसना और जुड़ना भी है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम होली को फिर से उसके मूल अर्थ में देखें। शोर-शराबे और औपचारिकताओं से हटकर, रिश्तों को समय दें। बच्चों को मोहल्लों में खेलने दें, बड़ों को एक-दूसरे से मिलने का अवसर दें और परंपराओं को केवल स्मृति न बनने दें। त्योहार हमें उम्मीद देते हैं। वे अकेलेपन को तोड़ते हैं और जीवन की थकान के बीच कुछ पल की राहत देते हैं। अगर हम इन्हें केवल रस्म बना देंगे, तो समाज और अधिक सूना हो जाएगा। होली के रंग तभी गहरे होंगे, जब दिलों में अपनापन होगा। वरना रंग हाथों से तो उतर जाएँगे, लेकिन रिश्तों पर जमी धूल और गहरी होती चली जाएगी।

शायद अब समय है कि हम रुककर सोचें—

क्या हम फिर से वह होली लौटा सकते हैं,

जहाँ रंगों से पहले रिश्ते खिलते थे?

शिक्षा, ज्ञान मनुष्य के निस्वार्थ मित्र

संजीव ठाकुर

बुद्धि के आलोक से बच्चा गुणवान मनुष्य बनता है। मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है। वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि 'पाप से घृणा करो पापी से नहीं' फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना कि' ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं'। इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है। भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी के जूठे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे।

एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम सदैव सार्थक नहीं हो सकता है। रावण ज्ञानी पुरुष था किंतु विध्वंस कारी भी था उसने प्रेम के अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता है। इससे हम केवल परिवार व्यक्ति या समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र के स्तर पर भी आत्मसात कर राष्ट्र को वैश्विक महानता की ओर ले जा सकते हैं। वर्तमान में हम संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक जीवन को सफलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम है। आज हमारे सामने पर्यावरण संतुलन वैश्विक अपन गरीबी जैसी अनेक समस्याएं मौजूद हैं। हम सभी मूक प्राणियों वनस्पति आदि के प्रति ज्ञान का उपयोग दिखाकर उनके साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार कर समस्या का समाधान कर सकते हैं। आधुनिक तकनीक से अर्जित ज्ञान के उपयोग इनके संरक्षण में करने में हम सक्षम भी हैं। अतः प्राचीन काल से मान्यता रही है कि सार्थक, सफल, एवं प्रेरणादाई जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान का समन्वय कारी सदुपयोग एक आवश्यक तत्व है, इसके अभाव में जीवन कितना सार्थक सफल और मार्गदर्शी नहीं हो सकता है।

विश्वयुद्ध की दहलीज पर दुनिया,भारत के लिए अग्निपरीक्षा का समय

(ओंकारेश्वर पांडेय-विनायक फीचर्स)

इतिहास के पन्ने गवाह हैं कि जब कूटनीति की मेज से आवाजें कम और आकाश में विमानों की गड़गड़ाहट ज्यादा होने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध निकट है। और इस बार तो समंदर में भी भीषण तूफान उठ रहा है। दुनिया फिर विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। 27 फरवरी 2026 का दिन वैश्विक इतिहास में एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज हो गया है, जहाँ से वापसी का रास्ता धुंधला पड़ता जा रहा है। जब युद्ध के बादल गहराते हैं, तो सबसे पहले दूतावास खाली होते हैं और आसमान में लड़ाकू विमानों की कतारें दिखने लगती हैं। आज ठीक यही हो रहा है। अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने तेल अवीव से जो 'एग्जिट ईमेल' भेजा, वह केवल एक प्रशासनिक संदेश नहीं, बल्कि आने वाले महाविनाश का सायरन है। ईरान पर संभावित अमेरिकी हमले की आशंका ने बीजिंग से लेकर वाशिंगटन तक खलबली मचा दी है। उधर, दुनिया का सबसे बड़ा और आधुनिक युद्धपोत, 'यूएसएस गेराल्ड आर.फोर्ड', हैफा के तट पर लंगर डाल चुका है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब धमकी का समय समाप्त हो चुका है और कार्रवाई की घड़ी आ गई है। एक भी चूक हुई तो केवल अमेरिका और ईरान ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देशों के इस युद्ध में कूदने और परमाणु युद्ध तक पहुंचने का खतरा है।

युद्धाभ्यास से युद्ध की दहलीज तक

बीते कुछ हफ्तों की समयरेखा को देखें तो स्पष्ट होता है कि स्थितियां हाथ से निकल चुकी हैं। विगत एक फरवरी 2026 को मास्को, बीजिंग और तेहरान के बीच हुए एक त्रिपक्षीय सामरिक समझौते ने पश्चिम की नींद उड़ा दी है। यह केवल रक्षा समझौता नहीं था, बल्कि रूसी राष्ट्रपति के सलाहकार निकोलाई पेत्रुशेव द्वारा परिकल्पित उस 'बहुध्रुवीय विश्व' की घोषणा थी, जो अमेरिकी वर्चस्व को सीधी चुनौती देने के लिए तैयार है।

43 पन्नों के इस समझौते के महज इतने ही बिंदु सामने आये हैं, जिसमें युद्ध होने की स्थिति में एक दूसरे को आर्थिक और संयुक्त राष्ट्र में राजनयिक सहयोग और समर्थन देने की बात की गयी है। पर दुनिया जानती है कि कड़ी बातें कहना वैसे ही होता है कि गरजने वाले बादल बरसते नहीं और खामोशी की गहराई समंदर से गहरी होती है। दुनिया की यह खामोशी ज्यादा खतरनाक है। इसके तुरंत बाद 16 फरवरी 2026 को होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया की 'ऊर्जा लाइफलाइन' है, वहां 'मैरीटाइम सिक्योरिटी बेल्ट-2026' अभ्यास शुरू हुआ। रूस और चीन के युद्धपोत ईरान के साथ मिलकर युद्धाभ्यास कर रहे हैं। यह महज कोई सैन्य अभ्यास नहीं है, बल्कि उस भू-राजनीतिक विस्फोटक का अंतिम फ्यूज है, जिसे सुलगाने की तैयारी लंबे समय से चल रही थी। यह संदेश साफ है कि अगर फारस की खाड़ी में युद्ध हुआ, तो ईरान अकेला नहीं होगा। सवाल अब यह नहीं रह गया है कि धमाका होगा या नहीं,अब सवाल यह है कि इस महायुद्ध की पहली चिंगारी कहाँ गिरेगी और क्या कोई ऐसी शक्ति शेष है जो दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की भट्ठी में झोंकने से बचा सके? 19 फरवरी 2026 को राष्ट्रपति ट्रंप का अल्टीमेटम आया कि ईरान के पास केवल 10 से 15 दिन हैं। उनकी भाषा स्पष्ट थी, या तो डील करो, या तबाही के लिए तैयार रहो। ईरान समझौते के लिए तो तैयार है, पर अमेरिका जो शर्तें रख रहा है, वह मानने को तैयार नहीं।

परमाणु गतिरोधः वियना वार्ता का 'डेड एंड'

और इसीलिए 26-27 फरवरी 2026 को जिनेवा में अंतिम दौर की वार्ता बेनतीजा रही। जिनेवा में चली पांच घंटे की मैराथन बैठक के बाद आधिकारिक तौर पर तो ओमान ने इसे प्रगति बताया, लेकिन पर्दे के पीछे की हकीकत यह है कि ईरान ने अपनी संप्रभुता और परमाणु अधिकारों के साथ समझौता करने से मना कर दिया है। यानी कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपनी तीन प्रमुख परमाणु सुविधाओं (फोर्डो, नतांज और अराक) को पूरी तरह नष्ट कर दे और समृद्ध यूरेनियम देश से बाहर भेज दे। लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची का तर्क अडिग है ₹परमाणु ऊर्जा हमारा अधिकार है, और हम प्रतिबंधों की बंदूक के साये में आत्मसमर्पण नहीं करेंगे।₹

फोर्ड की तैनातीः इजराइल बनेगा 'लॉन्च पैड'?

यूएसएस गेराल्ड आर.फोर्ड का इजराइल पहुँचना रणनीतिक रूप से एक 'चेकमेट' की चाल जैसा है। अमेरिका ने इस क्षेत्र में अपने दो सबसे शक्तिशाली विमानवाहक पोतों को तैनात कर दिया है। यूएसएस अब्राहम लिंकन अरब सागर में है और फोर्ड अब हैफा में। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि फोर्ड की उपस्थिति इजराइल को वह सुरक्षा कवच प्रदान करती है, जिसके बाद वह ईरान पर 'प्री-एम्प्टिव' यानी निवारक हमला कर सकता है। फोर्ड का अत्याधुनिक 'एजिस' मिसाइल डिफेंस सिस्टम इजराइली शहरों को ईरान की लंबी दूरी की मिसाइलों से बचाएगा, जबकि उसके डेक से उड़ने वाले F-35 विमान ईरान के परमाणु ठिकानों को जमींदोज करने की क्षमता रखते हैं।

ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर की सक्रियता बताती है कि अमेरिका शायद खुद सामने न आकर इजराइल को आगे कर दे। लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता ने भी साफ कर दिया है कि यदि उनके देश पर एक भी मिसाइल गिरी, तो इजराइल का अस्तित्व इतिहास के पन्नों तक सीमित कर दिया जाएगा।

ईरान से निकासी की भगदड़-कूटनीति की हार

इतिहास बताता है कि जब सरकारें अपने नागरिकों को घर वापस बुलाने लगती हैं, तो यह मान लेना चाहिए कि खुफिया एजेंसियों को युद्ध की निश्चित तारीख पता चल चुकी है। 27 फरवरी को अमेरिकी दूतावास ने गैर-जरूरी कर्मचारियों को तुरंत इजराइल छोड़ने को कहा। राजदूत हकाबी के शब्द आज ही चले जाइए₹ दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति की बेबसी और तैयारियों को बयां करते हैं।

भिवंडी के राहनाल ग्रामपंचायत के आनंदनगर में चंद्राई पांडुरंग मढवी मंगल भवन का किया गया भव्य लोकार्पण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के शहरानजीक राहनाल ग्रामपंचायत क्षेत्र के आनंदनगर श्रमिक बस्ती में स्वर्गीय मातोश्री की स्मृति में निर्मित चंद्राई पांडुरंग मढवी मंगल भवन कार्यालय का भव्य लोकार्पण पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटिल के शुभहस्ते संपन्न हुआ।

इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य रमेश पाटिल, विधायक शांताराम मोरे, पूर्व विधायक रुपेश म्हात्रे सहित कई गणमान्य नेता एवं बड़ी संख्या में ग्रामस्थ उपस्थित रहे। कपिल पाटिल ने कहा कि मढवी परिवार ने समाज ऋण चुकाने की भावना से यह मंगल भवन बनाकर बहुत ही सराहनीय व पुनीत कार्य किया है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि इस भवन में पारिवारिक कार्यक्रमों के साथ-साथ युवाओं को प्रेरणा देने वाले सामाजिक व सांस्कृतिक, मार्गदर्शनात्मक उपक्रम भी आयोजित हों। प्रस्तावना में पूर्व सरपंच राजेंद्र मढवी ने बताया कि यह भवन स्वखर्च से आम जनता के लिए बनाया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामपंचायत राहनाल के साथ हनुमान सेवा मंडल तथा मढवी परिवार का विशेष योगदान रहा है।

स्व.बालकृष्ण महादेव राऊत की सातवीं पुण्यतिथि आज

पालघार (उत्तरशक्ति)। स्व.बालकृष्ण महादेव राऊत की सातवीं पुण्यतिथि रविवार 1 मार्च 2026 को मनाई जायेगी। बतादें कि स्व. बालकृष्ण महादेव राऊत 1 मार्च 2020 को अपने गांव चंडीगांव से मुंबई की ओर बाईक से जा रहे थे कि अचानक सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी। स्व. बालकृष्ण महादेव राऊत के बारे में जानकारी देते हुए उनके बड़े भाई भरत महादेव राऊत ने बताया कि वे महाराष्ट्र मंत्रालय में कार्य करते थे। उन्होंने गरीबों के कल्याण के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहने के साथ ही साथ आर्थिक मदद करने से कभी भी पीछे नहीं हटे। ऐसे समाजसेवी कार्य करने वाले स्व. बालकृष्ण महादेव राऊत की पांचवी पुण्यतिथि पर शुक्रवार 1 मार्च को भरत राऊत के निवास स्थान पर तमाम परिजनों, रिश्तेदारों व आस पास के निवासियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया जायेगा।

जौनपुर के भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति मुंबई में

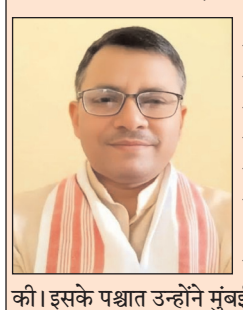

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद से भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति इन दिनों मुंबई दौरे पर हैं। अपने प्रवास के दौरान वे मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों में उत्तर भारतीय समाज के लोगों तथा अपने सगे-संबंधियों से मुलाकात कर रहे हैं।

शनिवार को उन्होंने महाराष्ट्र भाजपा के वरिष्ठ नेता कृपा शंकर सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इसके पश्चात उन्होंने मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

अपने कार्यक्रम के तहत वे रविवार सुबह कल्याण में भी उपस्थित रहेंगे, जहां वे उत्तर भारतीय समाज के लोगों से मुलाकात करेंगे और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करेंगे। उनके इस दौरे को संगठन विस्तार और सामाजिक समन्वय की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा। इस दौरान उनसे इस मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं- 991-926-4462

पुणे प्लांट में नई स्कोडा कुशाक का प्रोडक्शन शुरू

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) ने पुणे में अपने वर्ल्ड-क्लास चाकन प्लांट में नई कुशाक का प्रोडक्शन शुरू कर भारत में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। ग्रुप के मेक इन इंडिया, फॉर इंडिया एंड द वर्ल्ड विजन पर बनी यह एसयूवी भारत और दुनिया भर के मार्केट में कस्टमर्स की बदलती उम्मीदों को दिखाती है। ग्रुप के हाई लोकलाइजेशन, कम ओनरशिप कॉस्ट और कम टर्नअराउंड टाइम पर फोकस के लिए एक कैटलिस्ट के तौर पर, कुशाक इंडिया 2.0 स्ट्रैटेजी के तहत पहला मॉडल था जिसे खास तौर पर भारत की वसेर्टाइल ड्राइविंग कंडीशन और अलग-अलग कस्टमर की जरूरतों के लिए डिजाइन किया गया था। नई कुशाक में रिफाइंड यूरोपियन ड्राइविंग डायनामिक्स, एडवांस्ड इक्विपमेंट, पैसेंजर कम्फर्ट और सेफ्टी के साथ शानदार वैल्यू का मिक्स है। स्कोडा ऑटो ए.एस. के प्रोडक्शन और लॉजिस्टिक्स बोर्ड मेंबर एंड्रियास डिक ने कहा कि कुशाक उनके लिए खास है क्योंकि यह यूरोप के बाहर के बाजारों के लिए विकसित पहली कार है, जो भारत और चेक रिपब्लिक के सहयोग से बनी है। पुणे में कम समय में इसका उत्पादन शुरू होना भारत की मजबूत मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि कुशाक की सफलता भारत को एक प्रमुख ग्रोथ मार्केट के साथ-साथ ग्लोबल प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट हब के रूप में स्थापित करती है। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ पीयूष अरोड़ा ने कहा, नई कुशाक यूरोपियन इंजीनियरिंग को भारतीय ग्राहकों तक पहुंचाने के मिशन का अहम हिस्सा है। मजबूत डिजाइन, एडवांस्ड फीचर्स और उच्च सेफ्टी के साथ इसमें पैनोरमिक सनरूफ, रियर-सीट मसाज और 8-स्पीड ऑटोमैटिक जैसे नए प्रीमियम फीचर्स जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि इसका प्रोडक्शन शुरू होना भारत को एक रणनीतिक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, कुशाक ने इंडिया 2.0 रणनीति के तहत भारत में कंपनी के लिए एक नए दौर की शुरूआत की। नई कुशाक के साथ कंपनी यूरोपियन ड्राइविंग डायनामिक्स और 5-स्टार सेफ्टी को और मजबूत कर रही है। उन्होंने बताया कि यह इस साल के प्रोडक्ट विस्तार की शुरूआत है, साथ ही नेटवर्क विस्तार और सर्विस-फर्स्ट अप्रोच पर भी फोकस जारी रहेगा।

मराठी भाषा गौरव दिन पर सेंट जॉर्ज हाईस्कूल में सांस्कृतिक उमंग का अद्भुत संगम

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई के मालाड कुरार विलेज स्थित सेंट जॉर्ज हाईस्कूल में मराठी भाषा गौरव दिन अत्यंत हर्षोल्लास व गरिमामय वातावरण में मनाया गया। यह दिन प्रख्यात साहित्यकार कुसुमाग्रज की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। विद्यालय में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मराठी भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के मुख्याध्यापक फादर बिनू, प्रशासकीय अधिकारी फादर अँटोनी, पर्यवेक्षिका सिस्टर लाया तथा मराठी विषय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कोकण मराठी साहित्य परिषद की सचिव एवं सेवानिवृत्त मुख्याध्यापिका डॉ. स्मिता मालवदे ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने मराठी भाषा के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए अपनी स्वलिखित कविता के माध्यम से अभिजात मराठी की समृद्ध परंपरा को जीवंत किया तथा विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय के मुख्याध्यापक ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को मातृभाषा के संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुति के अंतर्गत नृत्य शिक्षिका प्रिया मैडम के मार्गदर्शन में छात्राओं ने पारंपरिक मंगलागौरी नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि गायन शिक्षक कुणाल सर के निर्देशन में विद्यार्थियों ने अभंग एवं गवलण की मधुर प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने खगोलशास्त्री जयंत नारलीकर तथा लोककवयित्री बहिणाबाई चौधरी के जीवन परिचय प्रस्तुत किया। लघु नाटिका एवं हास्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। विशेष उल्लेखनीय रहा कि पूरे कार्यक्रम का संचालन विद्यार्थियों ने स्वयं किया। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ समारोह का समापन हुआ।

भिवंडी मनपा महापौर की पहल पर भिवंडी में डीप क्लीन स्वच्छता अभियान की किया गया शुरूआत

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर में लंबे समय से चर्चा का विषय बनी अस्वच्छता और कचरे की समस्या से निजात दिलाने के लिए नारायण चौधरी के नेतृत्व में भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका द्वारा डीप क्लीन स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया गया। शुक्रवार को कल्याण नाका स्थित यातायात शाखा कार्यालय से इस अभियान की शुरूआत महापौर की प्रमुख उपस्थिति में की गई। इस अभियान के तहत शहर की सड़कों पर जमी धूल-मिट्टी को पूरी तरह हटाकर मशीनों से सफाई की जाएगी तथा उसके बाद पानी का छिड़काव किया जाएगा, जिससे स्वच्छता के स्तर में उल्लेखनीय सुधार हो सके। इस अवसर पर शहर अभियंता जमील पटेल, सार्वजनिक स्वच्छता विभाग प्रमुख फैजल तातली, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक जे. एम. सोनवणे सहित स्वच्छता विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। महापौर नारायण चौधरी ने कहा कि शहर की स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। डीप क्लीन अभियान के माध्यम से भिवंडी की तस्वीर और तकदीर बदलने का हमारा संकल्प है, जिसमें पालिका कर्मचारियों के साथ नागरिकों का सहयोग भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि पावसाळे से पूर्व नालों की सफाई का कार्य मार्च माह में ही प्रारंभ किया जाएगा। साथ ही अंजूर फाटा से कल्याण नाका तक सड़क चौड़ीकरण के बाद डामरीकरण (अस्फाल्टिंग) का कार्य भी शीघ्र पूरा किया जाएगा, ऐसा विश्वास महापौर ने व्यक्त किया।

WSDS 2026 में बहुपक्षवाद और जलवायु कार्रवाई पर जोर

मुंबई। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) द्वारा आयोजित वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2026 के 25वें संस्करण के दूसरे दिन नेचर-पॉजिटिव विकास, हरित औद्योगिक बदलाव, भविष्य की तकनीकों और बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

उच्च-स्तरीय सत्र में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री, श्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि भारत का समुद्री क्षेत्र अब हरित विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने, कार्बन न्यूट्रैलिटी, ग्रीन शिपिंग कॉरिडोर और ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन को प्राथमिकता बताया।

मल्टीलेटरलिज्म ऐज अ फोर्स फॉर होप एंड इम्पैक्ट सत्र में श्रीलंका, नेपाल, मालदीव, जर्मनी और स्वीडन के प्रतिनिधियों ने जलवायु और विकास चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की नाजुकता, समुद्र-स्तर वृद्धि का खतरा और शिपिंग क्षेत्र के डीकाबोर्नाइजेशन जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। यूएन-हैबिटेट और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के प्रतिनिधियों ने तेजी से बढ़ते शहरीकरण, जलवायु आपदाओं और प्रकृति संरक्षण के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी को बड़ी चुनौती बताया।

तकनीक, डेटा और वित्तीय सुधारों को समाधान का अहम हिस्सा बताया गया। टुवर्ड्स अ हिमालयन कोएलिशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट सत्र में हिमालयी क्षेत्रों की सुरक्षा, समुदाय-केंद्रित कार्बन ढांचे और संतुलित विकास पर जोर दिया गया। दिनभर के सत्रों में स्टार्टअप नवाचार, हरित और लचीले निर्माण परिवेश, सार्वजनिक खरीद के जरिए ग्रीन स्टील की मांग तैयार करना।

भविष्य में पुलिस को सड़कों पर आने की अनुमति न दें मंत्री प्रताप सरनाईक की मीरा भायंदर नगर निगम प्रशासन को कड़ी चेतावनी

- पुलिस भर्ती में आने वाली असुविधाओं पर मंत्री की तत्काल कार्य योजना

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर भविष्य में राज्य सुरक्षा की धुरी प्रशासन के लिए यह बेहद शर्मनाक बात है कि जिन युवा उम्मीदवारों को उसके कंधों पर भरोसा करके चुनाव लड़ना है, उन्हें आज मीरा भायंदर में खुले में रात गुजारनी पड़ रही है। महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धराशिव जिले के पालक मंत्री तथा स्थानीय विधायक प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने प्रशासनिक ढिलाई पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। मीरा भायंदर नगर निगम आयुक्त को लिखे पत्र में उन्होंने पुलिस भर्ती के लिए आए हजारों युवाओं के लिए तत्काल आवास और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। प्रशासनिक समन्वय की कमी और तत्काल उपायों की मांग, पत्र में आरोप लगाया गया है कि पुलिस आयुक्त और नगर आयुक्त के बीच योजना की कमी के कारण यह गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई है। इसके साथ ही, आयुक्त को निर्देश दिया गया है कि पुलिस भर्ती देने आए उम्मीदवारों के लिए मीरा भायंदर नगर निगम के हॉल, एमएमआरडीए और बीएसयूपी के अंतर्गत खाली फ्लैट तुरंत खोले जाएं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रशासनिक देरी के बावजूद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और उनके शिवसेना संगठन ने उम्मीदवारों के भोजन की पूरी जिम्मेदारी ली है। इस पूरे मामले पर बोलते हुए मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, ये युवा दो दिनों की भीषण गर्मी सहकर अपने भविष्य की परीक्षा ले रहे हैं। यह दुखद है कि कल कानून व्यवस्था बनाए रखने वाले युवाओं को आज सुरक्षित आश्रय नहीं मिल रहा है। प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए इस पर ठोस कदम उठाने चाहिए, अन्यथा इस उदासीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही, भविष्य की भर्ती प्रक्रिया के लिए एक स्थायी 'समन्वय योजना' तैयार की जानी चाहिए। इस समय यह चेतावनी भी दी गई है कि यदि प्रशासन इस मुद्दे की गंभीरता को नहीं पहचाना और सकारात्मक कदम नहीं उठाता है, तो वह उम्मीदवारों के अधिकारों के लिए अधिक आक्रामक रुख अपनाएगा।

श्री संत तुकाराम महाराज बीज पर 5 मार्च को भव्य धार्मिक कार्यक्रम का होगा आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्री संत तुकाराम महाराज बीज के पावन अवसर पर पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत दत्तवाडी स्थित दत्त मंदिर में गुरुवार, 5 मार्च 2026 को भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। यह आयोजन श्री संत तुकाराम महाराज भजनी मंडल, बोईसर द्वारा किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

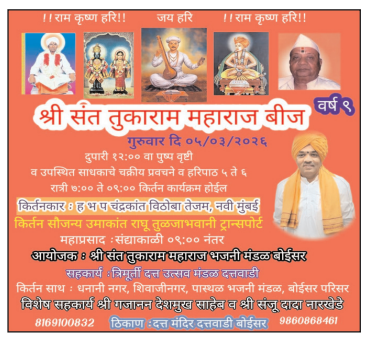

कार्यक्रम की शुरूआत दोपहर 12:00 बजे पुष्पवृष्टि से होगी। इसके पश्चात उपस्थित साधकों के चक्रिय प्रवचन एवं सायं 5:00 से 6:00 बजे तक हरिपाठ का आयोजन किया जायेगा। रात्रि 7:00 से 9:00 बजे तक भव्य कीर्तन कार्यक्रम संपन्न होगा। इस अवसर पर नवी मुंबई के प्रख्यात कीर्तनकार ह. भ. प. चंद्रकांत विठोबा तेजस अपनी भावपूर्ण वाणी से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे। कीर्तन कार्यक्रम का सौजन्य उमाकांत राघु तुलजाभवानी ट्रांसपोर्ट द्वारा प्रदान किया गया है। वहीं महाप्रसाद का वितरण सायं 9:00 बजे के बाद किया जायेगा।

कार्यक्रम के आयोजन में त्रिमूर्ति दत्त उत्सव मंडल, दत्तवाडी का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। इसके अतिरिक्त धनानी नगर, शिवाजीनगर, पास्थल भजनी मंडल सहित बोईसर परिसर के विभिन्न मंडलों का भी सराहनीय सहयोग रहेगा। आयोजकों ने समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर संत तुकाराम महाराज के विचारों से प्रेरणा लेने और कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

नेरुल के सिग्नल स्कूल में मराठी भाषा गौरव दिन उत्साह के साथ मनाया गया

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। नेरुल के सिग्नल स्कूल में आदिवासी पारधी महासंघ और लक्ष्मी देवी आदिवासी पारधी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार के नेतृत्व में 27 फरवरी को मराठी गौरव दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम सिर्फ.एक सांस्कृतिक समारोह नहीं था, बल्कि एक अच्छी पहल भी थी जिसने पारधी समाज के बच्चों के टैलेंट और भाषाई जागरूकता को एक प्लेटफॉर्म दिया।

बता दें कि मराठी भाषा का सम्मानऔर जतन मराठी गौरव दिवस के मौके पर हुए कार्यक्रम में बच्चों में मराठी भाषा के प्रति प्रेम, गर्व और अपनत्व जगाने की कोशिश दिखाई दी। बच्चों के गीत और नाटक परफॉर्मेंस के जरिए भाषा के सौंदर्य, लय और सांस्कृतिक मूल्यों का बखूबी देखने को मिला।

बच्चों द्वारा पेश किए गए गाने – चल रे भोपल्या तुनुक तुनुक, एक होती भिंगरी, खोप्या माधे खोपा, सांग सांग भोलानाथ, छड़ी लगे छम छम, चांदोमामा चांदोमामा – मराठी बालसाहित्य की समृद्धि परंपरा को अनोखे तरीके से दशार्या गया । इन गानों ने बच्चों की बोलने की कला कौशल्य को बढ़ाया और उनका मनोबल बढ़ाया।

इस कार्यक्रम में पारधी भाषा के गीतों को शामिल करना एक खास बात थी। इससे बच्चों को अपनी मातृभाषा पर गर्व महसूस करने का मौका मिला और सांस्कृतिक धरोहर को बचाने का एक अच्छा संदेश समाज तक पहुंचा। इस पहल से मराठी के साथ-साथ पारधी भाषा को बचाने और बढ़ावा देने की जागरूकता दिखाई दी।

सिग्नल स्कूल के इस कार्यक्रम के आयोजन के जरिए झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों को शहर के शैक्षणिक और सांस्कृतिक माहौल से जोड़ने की कोशिश की गई। सामाजिक समावेश के जरिए यह कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। संतोष एकनाथ पवार के मार्गदर्शन में पारधी समाज के बच्चों को एजुकेशन, कल्चर और कल्चरल जागरूकता की दिशा मिल रही है। इस प्रोग्राम में यह साफ दिखाई दिया कि उनके नेतृत्व में समाज में सकारात्मक परिवर्तन और जागरूकता देखने को मिल रही है।

20 वर्षों की नगरसेवा के अनुभव के साथ महापौर नारायण चौधरी ने आध्यात्मिक माहौल में की विकास यात्रा की शुरूआत

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के नवनिर्वाचित महापौर नारायण चौधरी ने अपने कार्यकाल की शुभ शुरूआत आध्यात्मिक वातावरण में की। बतादें कि 20 वर्षों तक नगरसेवक के रूप में जनसेवा करने के बाद महापौर बने नारायण चौधरी ने गायत्री प्रज्ञापीठ, कामतघर में विधिवत यज्ञ में आहुति दी, गौमाता का पूजन किया तथा गायत्री माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर महापौर नारायण चौधरी ने भिवंडी के सर्वांगीण विकास, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि शहर का विकास केवल भौतिक सुविधाओं से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक मूल्यों, सामाजिक एकता और जन सहभागिता से संभव है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वच्छ भिवंडी, सुंदर भिवंडी का नारा देते हुए नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनता के सहयोग से भिवंडी को एक स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आदर्श शहर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के पदाधिकारी, समाजसेवी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने महापौर का पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया और उनके सफल, जनहित कारी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ दिये।

सैमसंग ने 'गैलेक्सी एस सीरीज' लॉन्च की

मुंबई। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज गैलेक्सी S26 सीरीज लॉन्च की है, जिसमें कमाल की परफॉर्मेंस, इंडस्ट्री का अग्रणी कैमरा सिस्टम और गैलेक्सी अक अनुभव हैं जो लोगों के रोजमर्रा के फोन टास्क को आसान बनाएंगे। गैलेक्सी S26, S26+ और S26 अल्ट्रा सैमसंग की तीसरी पीढ़ी के अकफोन हैं और यह बैकग्राउंड में बड़ी ही आसानी से जटिल टास्क संभालते हैं, जिससे यूजर्स सिर्फ.परिणामों पर फोकस कर सकते हैं।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ, प्रेसिडेंट और डिवाइस एक्सपीरियंस (DX) डिविजन के हेड, टीएम रोह ने गैलेक्सी S26 सीरीज के साथ, हमने अकको इतना आसान बनाने पर फोकस किया है कि यह बैकग्राउंड में चुपचाप काम करे, ताकि लोग सिर्फ.उन चीजों पर ध्यान दें जो मायने रखती हैं।

गैलेक्सी S26 अल्ट्रा सैमसंग का अब तक का सबसे पतला सिर्फ.7.9 ` का अल्ट्रा डिवाइस है और इसमें मोबाइल फोन में दुनिया का पहला बिल्ट-इन प्राइवेसी डिस्प्ले पेश किया गया है। रोजमर्रा की स्थितियों जैसे ट्रांसिट, कैफे और शेयर्ड जगहों के लिए डिजाइन किया गया प्राइवेसी डिस्प्ले, मोबाइल डिवाइस पर पहले कभी नहीं मिला - इसके हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर मिलकर प्राइवेसी की रक्षा करते हैं और आपके व्यूइंग अनुभव पर भी कोई असर नहीं पड़ता।

गैलेक्सी S26 अल्ट्रा स्नैपड्रैगन® 8 एलीट जेन 5 मोबाइल प्लेटफॉर्म फॉर गैलेक्सी से पावर्ड है – जो अब तक की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस देता है। इसमें सुपर फास्ट चार्जिंग 3.0 की भी खूबी है, जिससे फोन सिर्फ.30 मिनट में 75% तक चार्ज हो जाता है।

गैलेक्सी S26 अल्ट्रा में कैमरा में बड़े बदलाव किए गए हैं, जिसमें लो-लाइट फोटोग्राफी को बेहतर बनाने वाला वाइडर एपर्चर और डिम कंडीशंस में वाइब्रेंट, क्लियर फुटेज के लिए बेहतर नाइटोग्राफी वीडियो जैसे अपग्रेड शामिल हैं। अपग्रेडेड सुपर स्टेडी टेक्नोलॉजी वीडियो कैप्चर के दौरान स्टेबल फ्रेमिंग सुनिश्चित करती है। अक क्रद इम्प्रूवमेंट्स सेल्फी कैमरा तक पहुंचे हैं, जो मिक्स्ड लाइटिंग में नैचुरल स्किन टोन्स और फाइन डिटेल्स देते हैं। खास बात ये है कि यह पहला गैलेक्सी डिवाइस है जो एडवांस्ड प्रोफेशनल वीडियो स्टैंडर्ड को सपोर्ट करता है, जो हाई-क्वॉलिटी वीडियो के लिए एफिशिएंट कंप्रेशन देता है।

S26 सीरीज ने रखी एजेंटिक अक की नींव नाउ नज के साथ, समय पर और प्रासंगिक सुझाव यूजर्स को बिना डिस्ट्रैक्ट हुए फ्लो में बनाए रखते हैं। गैलेक्सी S26 सीरीज में अपग्रेडेड बिक्सबी को कन्वर्सेशनल डिवाइस एजेंट के रूप में पेश किया गया है, जो गैलेक्सी डिवाइसेज के साथ इंटरैक्ट करना पहले से कहीं ज्यादा सहज और आसान बनाता है। यूजर्स नैचुरल लैंग्वेज का इस्तेमाल करके डिवाइस नेविगेट कर सकते हैं और सेटिंग्स एडजस्ट कर सकते हैं, बिना सटीक टर्मिनोलॉजी या कमांड्स की जरूरत के। सीरीज में अकएडिटिंग टूल्स को अपग्रेड किया गया है, रियल-टाइम फीचर्स जैसे नाउ ब्रीफ और बेहतर सर्कल टु सर्च जोड़े गए हैं, साथ ही बिक्सबी, जेमिनी और परप्लेक्सिटी जैसे एजेंट्स के साथ गहरा इंटीग्रेशन किया गया है। सिक्योरिटी सबसे महत्वपूर्ण बनी हुई है, जिसमें प्राइवेट एल्बम, नॉक्स मैट्रिक्स प्रोटेक्शन, सात जेनरेशन के ओएस अपग्रेड्स और सात साल के सिक्योरिटी अपडेट्स शामिल हैं। नई गैलेक्सी बड्स 4 प्रो और गैलेक्सी बड्स 4 पावरफुल hi-fi ऑडियो और कम्प्यूटेशनली डिजाइन किए गए फिट पर फोकस करती हैं। बड्स4 प्रो में वाइडर वूफर, बेहतर ऐक्टिव नॉइज कैंसेलेशन और एडैप्टिव ईक्यू (एद) जोड़ा गया है, जो 20Hz-40kHz फ्रीक्वेंसी रेंज में क्रिस्प साउंड देता है। दोनों मॉडल्स सुपर क्लियर कॉल को सपोर्ट करते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ट्रेलर-आयशर की टक्कर, मंदिर की बाउंड्री तोड़ परिसर में घुसा ट्रक

रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विंढमगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत

घिवही स्थित रेघडा शिव मंदिर के पास नेशनल हाईवे-39 पर आज शुनिवार सुबह करीब 6 बजे विण्ढमगंज की ओर से आ रही ट्रेलर संख्या एचआर 46 एफ 4750 और दुद्धी की ओर से आ रहा आयशर ट्रक संख्या यूपी65 एनटी 4472 आमने-सामने भिड़ गए। इस दौरान आयशर ट्रक अनियंत्रित होकर शिव मंदिर की बाउंड्री तोड़ते हुए परिसर में जा घुसा। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आयशर ट्रक का चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। ग्रामीणों ने तुरंत राहत-बचाव कार्य शुरू किया और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घायल चालक को तत्काल दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। मौके पर मौजूद जोरूखाड़ निवासी प्रकाश यादव ने साहस का परिचय देते हुए स्वयं केबिन में घुसकर चालक को बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, समय पर बचाव न होता तो जान का बड़ा खतरा हो सकता था। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची विंडमगंज पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया।

'मैं अपने पापा की प्रिंसेस हूं...', लिखकर विवाहिता ने लगाया फंदा

18 दिन पहले छह पर दर्ज कराया था एफआईआर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। शिवपुर थाना क्षेत्र के महादेवपुरम कॉलोनी निवासी काजल राय (26) ने शुक्रवार को दहेज उत्पीड़न को लेकर फंदा लगाकर जान दे दी। काजल ने दहेज उत्पीड़न के मामले में 18 दिन पहले यानी 9 फरवरी को ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

तहरीर में पति नितेश कुमार सिंह, जेठ विवेक कुमार सिंह, अभिषेक कुमार सिंह, जेठानी प्रिया सिंह, आंचल सिंह और सास कनक लता सिंह के खिलाफ प्रताड़ना का आरोप लगाया था। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी शादी 16 नंबर 2024 को नीतीश कुमार सिंह के साथ हुई थी।

शादी मे कुल 80 लाख रुपये खर्च करवा दिए थे। ससुराल में आने पर कुछ दिन तक सब कुछ ठीक चल रहा था, फिर दहेज में कार और दहेज की मांग करने लगे। सात फरवरी को मुझे गालियां देते हुए मारने-पीटने लगे। मुझे घर से भी बाहर निकाल दिया था।

परिजनों में मचा कोहरामः मामले में थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार सोनकर ने दहेज उत्पीड़न, गाली गलौज, जान से मारने की धमकी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी थी। उसी को लेकर काजल के ससुराल वालों ने घर के तीसरे फ्लोर पर शिफ्ट कर दिया था। उससे बातचीत भी बंद कर दिए।

काजल के अनुसार, उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता थ। इससे परेशान हो उसने फंदा लगाकर जान दे दी। काजल के पति नितेश कुमार सिंह बैंक ऑफ इंडिया मलदहिया में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर तैनात है। काजल को कोई संतान नहीं थी। उसका

मायका सकलडीहा रेलवे स्टेशन (चंदौली) में है।

लाश के पास मिला सुसाइड नोटः काजल तीन बहनों में सबसे बड़ी थी। पिता का नाम नीरज राय है। माता का नाम नीलू देवी है। काजल के चाचा अंबुज राय ने बताया कि हम लोग दोपहर से फोन ट्राई कर रहे थे। फोन नहीं उठा तो हम लोग बेटी के ससुराल पहुंच गए। यहां कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। इसके बाद 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। काजल की लाश के पास से पुलिस ने सुसाइड नोट बरामद किया है। उसमें लिखा था कि मेरे मां-बाप ने मुझे बड़े लाड़ प्यार से पाला था, लेकिन मुझे वह प्यार मेरे ससुराल से नहीं मिला, मैं अपने पापा की प्रिंसेस हूं।

पति समेत 11 लोगों पर दहेज हत्या में प्राथमिकी दर्जः काजल के पिता नीरज राय ने शिवपुर थाने में दहेज हत्या समेत अन्य धाराओं में दामाद नितेश कुमार सिंह, मृतका के जेठ विवेक सिंह, अभिषेक सिंह, जेठानी प्रिया, सिंह, सास कनक लता सिंह, ननद नीतू सिंह, अमित सिंह, देवर अनूप सिंह, नरेंद्र प्रताप सिंह और प्रमिला सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।

तहरीर में बताया कि काजल को दहेज के लिए सभी प्रताड़ित करते थे, उसे अलग-थलग कर दिया था। जेठानी ने पानी गर्म करने वाले रॉड से करंट लगाकर मारने का प्रयास किया था। जबकि दोनों जेठ गलत नियत रखते थे। ये बात बेटी ने फोन कर कई बार बताई। लेकिन रिश्ता न टूटे ऐसे में बेटी को ही समझाते रहे। लेकिन इधर कुछ दिनों से बेटी पर महंगी कार लाने का दबाव बनाकर उसे पीटा गया। कार नहीं मिलने पर बेटी की आरोपियों ने हत्या कर दी।

वैज्ञानिक सोच से आत्मनिर्भर भारत का निमार्णः प्रो.वंदना सिंह

विकसित भारत के लिए शोध, नवाचार जरूरीः प्रो.बाल चन्द्र यादव

दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का भव्य समापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) संस्थान में शनिवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आर्यभट्ट सभागार में गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विज्ञान को समाज के सर्वांगीण विकास की आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों को नवाचार, शोध एवं सृजनात्मक चिंतन की दिशा में अग्रसर होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही राष्ट्र को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है तथा नई पीढ़ी को समस्याओं के समाधान हेतु तार्किक एवं प्रयोगात्मक सोच विकसित करनी चाहिए। भारत तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें अपने युवा पीढ़ी को सशक्त करना पड़ेगा` इस दिशा में भारत सरकार के स्टार्टअप, इनक्यूबेटर, शोध और अनुसंधान में प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के प्रो.बाल चन्द्र यादव ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे नवीन वैज्ञानिक अनुसंधानों के साथ नैनोसाइंस एवं इसकी उपयोगिता तथा वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत की भूमिका पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था का है, जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार की निर्णायक भूमिका है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो.मृत्युञ्जय पाण्डेय ने वैज्ञानिक सोच, गुणवत्तापूर्ण शोध, अंतर्विषयी अध्ययन तथा युवाओं की जिम्मेदारी पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध में मौलिकता, नैतिकता और समर्पण बनाए रखने

की प्रेरणा दी। रज्जू भैया संस्थान के निदेशक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने स्वागत भाषण देते हुए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने विज्ञान में महिलाओं के उपलब्धियों को विस्तार से बताया।

इस अवसर पर आयोजित क्विज, निबंध लेखन, पोस्टर एवं रंगोली प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र वितरित किए गए। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और विषय के प्रति गहन समझ स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन प्रो. देवराज सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया, जबकि संचालन डॉ.शशिकांत यादव ने कुशलतापूर्वक किया। इस अवसर पर प्रो मनोज मिश्र, प्रो प्रदीप कुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. प्रमोद कुमार, डा दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. काजल डे, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. संदीप वर्मा, डॉ. रामांशु, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. दीपक मौर्य, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ.अवधेश कुमार मौर्य सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान विज्ञान के प्रति उत्साह, जिज्ञासा एवं नवाचार की भावना का सजीव और प्रेरणादायी वातावरण बना रहा।

जौनपुर के पूर्व विधायक ने आजम खान और उनके पुत्र की रिहाई के लिए पीएम मोदी को लिखा मार्मिक पत्र

जौनपुर आजम खान और अब्दुल्लाह आजम खान की रिहाई के लिए मोहम्मद अरशद खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा मार्मिक पत्र

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक भावनात्मक, ऐतिहासिक एवं संवैधानिक पत्र लिखकर वरिष्ठ समाजवादी नेता मोहम्मद आजम खान एवं उनके पुत्र अब्दुल्लाह आजम खान की सम्मानजनक रिहाई तथा पूर्ण संवैधानिक एवं विधिक न्याय सुनिश्चित करने की अपील की है।

अपने पत्र में मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि यह अपील केवल दो व्यक्तियों की स्वतंत्रता का विषय नहीं है, बल्कि भारत के संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों, विधि के शासन और न्याय की सर्वोच्च परंपराओं की रक्षा का प्रश्न है। उन्होंने कहा कि भारत का लोकतंत्र संविधान द्वारा प्रदत्त समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14) और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 21) जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है, जिनकी रक्षा करना प्रत्येक संवैधानिक पदाधिकारी की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया कि मोहम्मद आजम खान लगभग पाँच दशकों से भारतीय राजनीति के एक प्रमुख और ऐतिहासिक व्यक्तित्व रहे हैं। उन्होंने

दस बार विधायक, दो बार सांसद, चार बार कैबिनेट मंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष के रूप में कार्य करते हुए जनसेवा, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मोहम्मद अरशद खान ने यह भी कहा कि वर्ष 2019 के बाद अचानक बड़ी संख्या में मामलों का दर्ज होना विधिक निष्पक्षता, प्राकृतिक न्याय और लोकतांत्रिक पारदर्शिता के संदर्भ में गंभीर प्रश्न खड़े करता है। उन्होंने कहा कि न्याय केवल किया ही न जाए, बल्कि होता हुआ दिखाई भी देना चाहिए—यही लोकतंत्र की वास्तविक पहचान है।

अपने पत्र में उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे अपने संवैधानिक दायित्व, नैतिक नेतृत्व और मानवीय दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए संबंधित संस्थाओं को प्रेरित करें, ताकि मोहम्मद आजम खान और अब्दुल्लाह आजम खान को निष्पक्ष, पारदर्शी और संविधानसम्मत न्याय प्राप्त हो सके तथा उनकी सम्मानजनक रिहाई का विधिक मार्ग प्रशस्त किया जा सके।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत संविधान, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ेगा, और न्यायपूर्ण निर्णय भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक उदाहरण बनेगा।

अंत में मोहम्मद अरशद खान ने प्रधानमंत्री के लिए ईश्वर से सत्य, न्याय और निष्पक्षता के अनुरूप निर्णय लेने की शक्ति और विवेक प्रदान करने की प्रार्थना की है।

सामाजिक कार्यकर्ता एवं जेडएफएम फाउंडेशन के संस्थापक जीशान अहमद खान ने 10 परिवार को बांटे रमजान राशन किट

इम्तियाज अहमद

फूलपुर,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद आजमगढ़ के सामाजिक कार्यकर्ता एवं जेड एफ एम फाउंडेशन के

संस्थापक जीशान अहमद खान ने एक बार फिर साबित कर दिया। कि मानोता से बड़ा कोई धर्म नहीं होता है।

सात समुन्दर पार(खाड़ी के देश) रहकर समाज के जरूरत मन्द लोगों के बारे में जेड एफ एम फाउंडेशन के संस्थापक जीशान अहमद खान हमेशा फिक्र करते रहते है। चाहे व जरूरतमंदों को कम्बल वितरण करना हो, या गरीब असहाय बच्चों को शिक्षा देना हो या फिर बच्चियों को सिलाई कढ़ाई के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाना हो, हर साल की तरह इस साल भी रमजान किड तैयार करके जरूरतमंदों तक तकसीम करना हो उसी कड़ी में आज रमजान की खुशियाँ अधूरी न रहें। इस के लिए 10 परिवार को रमजान राशन किट बाँटी गई। सामाजिक ज़िम्मेदारी का एहसास इस को और बड़ा करने को कह रहा था। लेकिन सोर्सेज सीमित होने के चलते इतने पे ही इकतेफा करना पड़ा।महंगायी का अंदाजा तब हुआ जब राशन खरीद की लिस्ट देखा। आम लोग दिहाड़ी पेशा मजदूर कैसे गुजारा कर रहे होंगे। उनकी तकलीफ का एहसास हुआ। जरूरत समाज के ज़िम्मेदार लोग आगे आयें और अपनी अपनी ज़िम्मेदारी निभाने की कोशिश करें।

मांग पूरी न हुई तो व्यापक स्तर पर होगा आंदोलनः डॉ.फूलचंद कन्नौजिया

ग्राम विकास एसोशिएशन ने होली न मनाने का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम विकास अधिकारी एसोशिएशन जौनपुर की कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ. फूलचंद कन्नौजिया ने की। बैठक में जनपद स्तरीय अधिकारियों के कथित शोषण और उत्पीड़न के विरोध में इस वर्ष होली का पावन पर्व न मनाने का महत्वपूर्ण और भावनात्मक निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समस्या का त्वरित समाधान नहीं किया गया तो व्यापक स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। संगठन ने उच्चाधिकारियों से शीघ्र न्यायोचित कार्रवाई की मांग की।

अध्यक्ष डॉ. कन्नौजिया ने बताया कि सभी एडीओ (आरडी) का तृतीय एसीपी मनमाने ढंग से लंबित रखा जाना, मेडिक्लेम बिलों का

बिना कारण रोकने पर संगठन में आक्रोश है। इसका स्थायीकरण न किया जाना, वेतन एरियर न दिया जाने तथा अन्य प्रशासनिक मामलों में अनावश्यक विलंब जैसी समस्याओं के कारण संगठन को यह कठोर कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ एसआईआर कार्य, डुप्लिकेट मतदाता फीडिंग सहित विभागीय और गैर-विभागीय दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें अपने वैधानिक भुगतान और अधिकारों के लिए लंबे समय से गणेश परिक्रमा ।करनी पड़ रही है। संगठन के सदस्यों ने पीड़ा और आक्रोश व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से होली का त्योहार न मनाने का संकल्प लिया। बैठक में जनपद के सभी विकासखंडों के एडीओ (आरडी) एवं पदाधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता की।

श्याम बिहारी यादव का निधन संपूर्ण समाज के लिए अपूरणीय क्षतिः ललई

ट्रामा सेंटर वाराणसी में इलाज के दौरान निधन, सड़क दुर्घटना में हुए थे घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सपा सरकार में रहे पूर्व ऊर्जा एवं नियोजन राज्य मंत्री शैलेंद्र यादव ललई के करीबी रहे श्याम बिहारी यादव का शनिवार को वाराणसी ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान निधन हो गया। निधन की खबर से उनके शुभचिंतकों और क्षेत्र वासियों में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार गाजीपुर के लहुरी काशी बैकुंठ घाट पर किया गया।

पूर्व मंत्री ललई ने गाजीपुर निवासी श्याम बिहारी यादव का कुशल क्षेम जानने के लिए बुधवार को अस्पताल पहुंचे थे। कुछ दिन पहले वह केराकत में हुई सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। उन्हें ट्रामा सेंटर वाराणसी में भर्ती कराया गया था। ललई ने उनके निधन को संपूर्ण समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। कहा कि आज शब्द साथ नहीं दे रहेङ्क ऐसा लग रहा है जैसे अपना ही कोई हिस्सा हमसे बिछड़ गया हो। परिवार से लगभग 50 वर्षों से जुड़े, सुख-दुःख के हर क्षण के साथी, श्याम बिहारी यादव अब हमारे बीच नहीं रहे। यह स्वीकार करना भी असहनीय पीड़ा दे रहा है। तब मन भीतर तक काँप उठा था। उम्मीद थी कि वे फिर मुस्कुराते हुए हमारे बीच लौटेंगेङ्क लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईश्वर से बस यही प्रार्थना है कि उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और हम सबको यह अपूरणीय क्षति सहने की शक्ति दें। आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे।

मछलीशहर के वन दरोगा विपिन यादव हुए निलंबित

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर वन रेंज के वनदरोगा विपिन यादव को कार्य के प्रति लापरवाही के कारण उच्च अधिकारियों ने निलंबित कर दिया है।विपिन यादव वन क्षेत्र अधिकारी कार्यालय मछली शहर में तैनात हैं। वे मुंगरा बादशाहपुर व मछली शहर वन क्षेत्र का कार्य देख रहे थे।वन क्षेत्र अधिकारी सियाराम पांडे के रिटायर होने के बाद नए वन क्षेत्र अधिकारी शिवकुमार के आने के बाद विपिन यादव सारा कार्य अकेले ही देख रहे थे क्योंकि शिवकुमार यादव कैंसर से पीड़ित अधिकारी है इसलिए वे क्षेत्र में कभी नहीं जाते थे। उनका का कार्य विपिन यादव ही देखते थे उनके कार्यकाल में धुआंधार पेड़ों की कटाई भी होती थी क्षेत्र के लकड़ी कटाई करने वाले व्यापारी भी मनमानी पेड़ों की कटाई कर रहे थे कोई भय नहीं था सभी विपिन यादव के सानिध्य में फल फूल रहे थे तिलोरा वन क्षेत्र के अंतर्गत ही काफी पेड़ काटे गए थे।लोगों ने इसकी शिकायतजिले उच्च अधिकारियों से की लेकिन विपिन यादव के मिली भगत के कारण कोई सुनवाई नहींहुई।अंत में इसकी शिकायत वन विभाग के उच्च अधिकारी बनारस से लोगों द्वारा की गई। मामले को संज्ञान में लेते हुए बनारस उच्च अधिकारियों ने जांच पड़ताल कर विपिन यादव को कार्य के प्रति दोषी पाते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विपिन यादव के निलंबन की सूचना पर जहाँ लकड़ी के व्यापारियों में रोष है वही क्षेत्र के नागरिकों में बेहद खुशी है। जो चचाएँ आम है।

शोकसभा में पत्रकारों ने दी युवा भाजपा कार्यकर्ता कीर्तिमान सिंह को श्रद्धांजलि

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत के वरिष्ठ पत्रकार राजेश कुमार सिंह के चचेहरे छोटे भाई एवं युवा भाजपा कार्यकर्ता कीर्तिमान सिंह उर्फ गोलू के असामयिक निधन पर स्थानीय पत्रकारों ने बुधवार को एक शोकसभा का आयोजन किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी पत्रकारों ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा में वक्ताओं ने कीर्तिमान सिंह को एक ऊजावान,

मिलनसार और समाजसेवी युवा बताया, जो अपनी सक्रियता और लगन से सभी के दिलों में अपनी एक अलग पहचान बना चुके थे। उनके इस तरह अचानक चले जाने से न केवल उनके परिवार को, बल्कि पूरे क्षेत्र के राजनीतिक एवं सामाजिक जगत को गहरा आघात पहुंचा है।पत्रकारों ने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिजनों को यह असहनीय दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शोकसभा की अध्यक्षता ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के निवर्तमान तहसील अध्यक्ष संजय शुक्ल ने तथा संचालन मोहम्मद असलम खान ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार दीपनारायन सिंह, कौशलेंद्र गिरी, रामसरन यादव, श्री प्रकाश सरोज पप्पू, रामफेर शर्मा, राजेश कुमार यादव, रामफेर शर्मा, डाक्टर विद्यासागर, आदि शामिल रहे।

सिंचाई विभाग में खेली गई रंग गुलाल की होली

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सिगरा स्थित सिंचाई कालोनी वरुवीणपुरम में होली पर्व के पूर्व कार्यालय अधीक्षण अभियंता लिफ्ट सिंचाई मण्डल वाराणसी में

रंग भरी होली मनाई गई । लोगो द्वारा एक दूसरे को माथे पर टीका लगा गले मिल कर आपसी भाई चारे का संदेश देते हुए रंग गुलाल से होली खेल कर होली की शुभकामनाएं दी गई। इस मौके पर विनोद कुमार श्रीवास्तव, कनीज फातिमा, जयशंकर सिंह, रत्नेश प्रसाद, दीनानाथ, कुलदीप कुमार मौर्या, धीरज कुमार, सुनील कुमार आदि उपस्थित रहे।

प्रबंध समिति के अध्यक्ष के निधन पर शोक सभा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला विकासखंड अंतर्गत शान्ति निकेतन पूर्व माध्यमिक विद्यालय सारी जहांगीर पट्टी प्रबंध समिति के अध्यक्ष बैजनाथ तिवारी के निधन पर शनिवार को विद्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखते हुए ईश्वर से प्रार्थना की गई। अध्यक्षता प्रधानाध्यापक महेश दुबे ने की। प्रधानाध्यापक ने अध्यक्ष को कर्मठ, निष्ठावान और मृदुभाषी बताया। उन्होंने उनके निधन को विद्यालय परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया। वह विकासखंड क्षेत्र के चिलबिली (हसनपुर) गांव के निवासी थे। वह 95 वर्ष के थे जो काफी लम्बे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। शुक्रवार को उनका निधन हो गया। मौके पर शिक्षक हरिप्रकाश शुक्ल, दिनेश चन्द्र चतुर्वेदी, राजेश चौबे, परिचारक राम सजीवन मौर्य सहित अन्य लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

दीवानी वाद लंबित होने के बावजूद अवैध कब्जे का प्रयास, विधवा महिला ने पुलिस अधीक्षक से लगाई गुहार

दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना मीरगंज क्षेत्र अंतर्गत मीरगंज बाजार की रहने वाली एक विधवा महिला ने अपने पुश्तैनी मकान पर अवैध कब्जा, ताला तोड़ने और पुलिस द्वारा सहयोग न दिए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुसुम पत्नी स्व० मुन्ना लाल, निवासी मौजा करियाँव, मौरगंज, थाना मीरगंज, तहसील मछलीशहर, जनपद जौनपुर ने बताया कि मीरगंज बाजार स्थित उनके पुश्तैनी मकान के संबंध में दीवानी वाद संख्या 924/2025, कुसुम बनाम शिव कुमारी माननीय सिविल जज, जौनपुर के न्यायालय में विचाराधीन है। मामला न्यायालय में लंबित होने के बावजूद 21 जनवरी 2026 को गांव के कथित दबंग अनिल कौशल व हिमांशु कौशल द्वारा मकान का ताला जबरन तोड़ने का प्रयास किया गया।

पीड़िता के अनुसार, घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची। आरोप है कि कार्रवाई करने के बजाय पुलिस उनके पुत्र लक्ष्मीन को थाने ले गई। थाने पर सभी दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद भी संबंधित दरोगा द्वारा कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया और कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़िता का यह भी आरोप है कि 18 फरवरी 2026 को पुनः अवैध कब्जा करने का प्रयास किया गया, मारपीट की गई तथा ताला तोड़कर घर का सामान बाहर फेंक दिया गया। डायल 112 की टीम के पहुंचने पर निर्माण कार्य अस्थायी रूप से रुक गया, किंतु थाने में लिखित प्रार्थना-पत्र देने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। विधवा महिला का कहना है कि यह कृत्य न केवल अवैध है, बल्कि न्यायालय में लंबित वाद की अवमानना भी है। स्थानीय स्तर पर सुरक्षा न मिलने से वह स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं और जान-माल का खतरा बता रही हैं। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक जौनपुर से निष्पक्ष जांच कराते हुए आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई तथा सुरक्षा प्रदान किए जाने की मांग की है।

जौनपुर में समाचार पढ़ते ही हरकत में आया प्रशासन, संरक्षित क्षेत्र में अवैध निर्माण रुकवाया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। किला सद्भावना पुल रोड स्थित पुरातत्व विभाग के संरक्षित क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माण के मामले में प्रशासन ने सराहनीय तत्परता दिखाते हुए निर्माण कार्य को तत्काल रुकवा दिया। समाचार प्रकाशित होते ही सिटी मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह एवं जेई मास्टर प्लान प्रशांत कुमार ने मामले का संज्ञान लिया और मौके पर पहुंचकर प्रभावी हस्तक्षेप किया। उनके निर्देश पर चल रहा निर्माण कार्य तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया।

उल्लेखनीय है कि संबंधित स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधीन संरक्षित क्षेत्र में आता है। नियमानुसार 100 मीटर की परिधि 'प्रतिबंधित क्षेत्र' तथा 200 मीटर तक का क्षेत्र 'विनियमित क्षेत्र' घोषित है, जहां बिना सक्षम अनुमति किसी भी प्रकार का निर्माण दंडनीय अपराध है। यह प्रावधान एएमएएसआर अधिनियम, 1958 एवं उसके संशोधनों में स्पष्ट रूप से वर्णित है।

स्थानीय नागरिकों द्वारा पूर्व में की गई शिकायतों और समाचार प्रकाशन के बाद सिटी मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उनकी प्रशासनिक सक्रियता और कानून के प्रति प्रतिबद्धता के चलते विभागीय

अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्य पर रोक लगाई।

जेई मास्टर प्लान प्रशांत कुमार ने भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए स्पष्ट किया कि मामले की विधिक जांच की जा रही है और यदि निर्माण नियमों के विपरीत पाया गया तो संबंधित पक्ष के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उनकी तकनीकी सतर्कता और नियमों के प्रति सजगता की स्थानीय स्तर पर व्यापक सराहना हो रही है। इस प्रभावी कार्रवाई से स्थानीय लोगों में संतोष और विश्वास का माहौल है। नागरिकों का कहना है कि ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन का यह कदम अत्यंत प्रशंसनीय है। सिटी मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह एवं जेई मास्टर प्लान प्रशांत कुमार की सक्रियता ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रशासन जनहित और विरासत संरक्षण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार संबंधित निर्माण से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच जारी है तथा आवश्यकतानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल संरक्षित क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माण को रुकवाकर प्रशासन ने ऐतिहासिक धरोहर को संभावित क्षति से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रुद्राभिषेक से प्राप्त होती है भगवान शिव की कृपा : डॉ सूर्यभान यादव

खुटहन के धिरौली नानकार गांव स्थित बाबा बान दईत मंदिर में हुआ मंडप पूजन, रुद्राभिषेक एवं श्रृंगार

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पटैला बाजार के निकट धिरौली नानकार गांव स्थित बाबा बान दईत मंदिर में मुख्य यज्ञ आचार्य वशिष्ठ नारायण चतुर्वेदी के सानिध्य में शनिवार को रुद्र यज्ञ में द्वितीय दिवस पर मंडप पूजन, रुद्राभिषेक एवं श्रृंगार किया गया। काशी से पधारे विद्वान ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि विधान से पूजा अर्चना कराया। सपा नेता एवं वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. सूर्यभान यादव ने कहा कि रुद्राभिषेक से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। बताया कि पापों से मुक्ति और आत्म-शुद्धि के लिए रुद्राभिषेक जरुरी है। इससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, धन और समृद्धि की प्राप्ति होती है। मौके पर आचार्य शिव कुमार त्रिपाठी, राकेश मिश्रा, ज्ञान प्रकाश पांडेय, आदित्य नारायण तिवारी, अखिलेश यादव, उमेश शर्मा, आशीष कुमार यादव, संत लाल गौड़, लक्ष्मी शंकर यादव आदि मौजूद रहे।

जौनपुर पुलिस लाइन में भावुक विदाई

7 पुलिसकर्मी सम्मानित, अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर दी गई शुभकामनाएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर में शनिवार को पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में भावुक माहौल के बीच सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया। अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवा निवृत्त होने वाले 07 पुलिसकर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने सेवानिवृत्त कर्मियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। 28 फरवरी 2026 को अपनी सम्पूर्ण सेवाकाल के दौरान निष्ठा, कर्तव्यपरायणता और लगन से कार्य करते हुए 04 उपनिरीक्षक, 01 फायर सर्विस चालक तथा 02 मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस सेवानिवृत्त हुए। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सभी का सम्मान किया। सेवानिवृत्त होने वालों में उपनिरीक्षक शिव शंकर सिंह, सुरेन्द्र प्रताप सिंह, बृज बिहारी यादव, रणजीत कुमार, फायर सर्विस चालक कैलाश यादव, मुख्य आरक्षी रमाशंकर राम तथा देवानारायण पाल शामिल रहे।अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाज के प्रति समर्पण का दायित्व है। सेवानिवृत्त कर्मियों का अनुभव सदैव विभाग के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह का समापन सम्मान और शुभकामनाओं के साथ हुआ।

केराकत में घर में घुसकर मारपीट, चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में घर में घुसकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। बताया जाता है कि क्षेत्र के अतरोरा गांव निवासी विकास यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि 27 फरवरी 2026 की सुबह लगभग 10 बजे गांव के ही दीपक यादव, राहुल यादव, अरविंद उर्फ बब्बन यादव और धर्मेंद्र यादव उर्फ निहुडू उसके घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह और उसके साथ मौजूद मजदूर घायल हो गए।

पीड़ित के अनुसार मारपीट के दौरान बीच-बचाव करने आए उसके चाचा संजय यादव को भी आरोपियों ने पीट दिया। इस दौरान उनके गले की सोने की चेन भी कहीं गिर गई। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मानीकलां में पीस कमेटी बैठक, पर्व परंपरा से मनाएंगे

नई परंपरा बनाने वालों पर होगी कानूनी कार्रवाई: थाना प्रभारी

-आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के मानीकलां में शनिवार को आगामी होली, ईद और रमजान के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने की, जिसमें जनप्रतिनिधि, धर्मगुरु, ग्राम प्रधान और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी पर्व पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार ही मनाए जाएंगे। कोई भी नई परंपरा शुरू नहीं की जाएगी, जिससे सामाजिक समरसता और कानून-व्यवस्था प्रभावित हो। यह भी तय हुआ कि जुलूस, नमाज और अन्य धार्मिक कार्यक्रम पूर्व निर्धारित मार्ग और समय पर ही संपन्न होंगे। सभी उपस्थित लोगों ने आपसी भाईचारे को मजबूत रखने का संकल्प लिया। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। धर्मगुरुओं और समाज के वरिष्ठजनों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मानीकलां चौकी इंचार्ज शैलेन्द्र कुमार राय, न्यायाधीश वर्मा, सलीम खान, विनोद कुमार प्रजापति और पुलिस के कई जवान मौजूद रहे। बैठक में पूर्व ग्राम प्रधान मोहम्मद अरशद, अशोक कुमार, संतोष, अब्दुल्लाह उर्फ डम्पी,अरविंद मोदनवाल, अजय मोदनवाल, बेलाल सहित अन्य ग्रामीण भी उपस्थित थे।

हाई स्कूल की परीक्षा देकर लौट रहे छात्र को दबंगों ने बेरहमी से पीटा

पुलिस ने दलित उत्पीड़न एक्ट के साथ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के गभीरन बाजार में हाई स्कूल की परीक्षा देकर लौट रहे छात्र को दबंगों ने बेरहमी से पीटा। पुलिस ने दलित उत्पीड़न एक्ट के साथ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र मोमिनपुर मुडैला गांव निवासी अशोक कुमार सोनकर का 16 वर्षी पुत्र सौरभ कुमार सोनकर शुक्रवार दोपहर लगभग 1:00 बजे अपने एक साथी के साथ हाई स्कूल की परीक्षा देकर बाइक से घर वापस लौट रहा था। जब वह गभीरन बाजार के पास से गुजर रहा था कि इस समय सात आठ की संख्या में दबंगों ने उसे घेर लिया। दबंगों ने घेर कर सरेआम लात मुक्का डंडे से मारकर बुरी तरह से घायल कर दिया। जब दबंग मार कर चले गए तब स्थानीय लोगों ने युवक को उठाया और उसके परिजनों को सूचना दिया। बेरहमी से पीटे गया लड़का जो अचेत पड़ा हुआ था परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। शनिवार सुबह परिवार के लोग उसे लेकर खुटहन थाने पर जाकर हमलावरों के खिलाफ लिखित तहरीर दिया। पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ दलित उत्पीड़न एक्ट समेत कई धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। दूसरी तरफ घायल की बिगड़ती हालत देखकर जिला चिकित्सालय के चिकित्सक ने बेहतर उपचार के लिए वाराणसी बीएचयू के लिए रेफर कर दिया।

यूजीसी कानून बना भारत सरकार के गले की हड्डी : प्रेमभूषण महाराज

-लाल शेखर सिंह

वसई (उत्तरशक्ति)। आओ गायें रामकथा घर घर मेंश आध्यात्मिक आंदोलन की देश विदेश तक अलख जगाने वाले, मानस के सिद्ध साधक, व्यवहार घाट के ओजस्वी प्रवक्ता, क्रांतिकारी संत प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने व्यासपीठ से संबोधित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण जगत में सभी अपनी मयार्दा में रहते हैं केवल मनुष्य ही अमर्यादित रहता है,क्योंकि उसके पास तर्क होता है किंतु स्मरण रहे कि ऋचाओं को तर्क पर कसा जा सकता है किंतु भगवान को तर्क से नही जाना जा सकता।

जिस स्थानसे हमारी अत्याधिक प्रीत होती हैं उसे छोड़ने का मन नही करता स्नेहाधिक्य होने पर वहाँ से विदा होने का मन नही करता।भगवान सारे जगत के स्वामी हैं।धर्मपथ पर चलने वाला सर्वकाल सुखी रहता है।जीव को अपने हर जन्म का फल कभी भी प्राप्त हो सकता है।चक्रवर्ती राजा दशरथ और पितामह भीष्म को देख लीजिए। जानकर किये गये कर्म का हिसाब तो रखा जा सकता है किंतु अंजाने में हुए कर्म को कोई नही जानता इसलिए कर्म करते समय सदैव सावधान रहना चाहिए। मनुष्य के मन में लोभ तुरंत आता है। अपने को सर्वहारा कथा वाचक बतलाते हुए पूज्यश्री ने कहा कि व्हीआईपी कल्चर को मैने कभी ना तो स्वीकार किया और ना ही समर्थन। ईश्वर द्वारा प्रदत्त जो भी है उसी में जीना चाहिए यदि लोभ जीवन में आया तो विनाश निश्चित है। भगवान के कार्य को भांज देकर मनुष्य अपना कार्य करता है। ऐसे में रामकथा के आयोजक बिजेन्द्र सिंह प्रति वर्ष अपने पारिवारिक,व्यापारिक दायित्वों को निभाते हुए रामकथा आयोजन का परमार्थ कार्य करते हैं उन्हें मै आशीर्वाद एवं साधुवाद देता हूँ।

क्रांतिकारी संत प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने यूजीसी कानून पर ऐतराज जताते हुए कहा कि समाज विरोधी 'यूजीसी' कानून भारत सरकार के गले की हड्डी बन चुका है इसे सरकार न तो निगल पा रही है और ना ही उगल पा रही है,क्योंकि सामान्य जन को लॉलीपॉप दिया जा सकता है किंतु श्रेष्ठतम प्रतिभावान को नही।यूजीसी के इस मुद्दे पर राजनीतिक धुरंधरों की बोलती बंद हो गयी है।

पूज्यश्री ने मानस को जन मानस से जोड़ते हुए कहा कि,जहाँ मन न लगे वहाँ कभी नही जाना चाहिए।शिक्षा के साथ बच्चों को रामकथा भी सुननी चाहिए बच्चों के जीवन में रामकथा आयोजन से घर नही करती, इसके लिए घर के वातावरण को अनुकूल बनाना पड़ता है। हमारी रामकथा आज नही, तो जीवन के किसी न किसी मोड़ पर अवश्य काम आती है। हर व्यक्ति की आमदनी और जीवन अलग अलग होता है जो जितना बोता है उतना पाता है सब की अपनी अपनी गति है और उसी के अनुसार सब को फल भी मिलता है।' उल्लेखनीय है कि प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज अपने भजनों और भावभंगिमा द्वारा रामकथा गायन की अनोखी शैली के लिए लोकविख्यात हैं,इसी भाव में पूज्यश्री ने कथा सुनाकर जन मानस को भावविभोर कर दिया। श्रोताओं की अपार भीड़ के बीच बहुजन विकास आघाडी के नेता व वसई- विरार मनपा के प्रथम महापौर राजीव पाटील 'नाना', भाजपा नेता अमरजीत मिश्रा , उदयप्रताप सिंह , आर टी आई कार्यकर्ता अनिल गलगली, देवराज सिंह, नीलेश देशमुख हम रामजी के रामजी हमारे हैं सेवा ट्रस्ट मुम्बई के प्रधान गणेश अग्रवाल एवं सचिव अविनाश मिश्रा,सुधाकर सिंह'विशेन' सनी सिंह,श्रीमती अशोका तिवारी, समाजसेविका सुधा दूबे, निशा शर्मा,प्रिया सिंह, सहित कथा की व्यवस्था को संभालने वाले प्रिंस बिजेन्द्र सिंह आदि गणमान्य जनों ने उपस्थित रहकर मानस महाकुंभ में अवगाहन करके पुण्य लाभ प्राप्त किया।

मेदांता न्यूजवीक द्वारा भारत का सर्वश्रेष्ठ अस्पताल घोषित हुआ

मुंबई। ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड द्वारा संचालित मेदांता - द मेडिसिटी, गुरुग्राम को न्यूजवीक की प्रतिष्ठित 'वर्ल्ड्स बेस्ट हॉस्पिटल्स 2026' रैंकिंग में भारत का नंबर 1 अस्पताल का दर्जा दिया गया है, जिसका संचालन स्टेटिस्टा इंक. के साथ साझेदारी में किया गया है। यह लगातार सातवां वर्ष है जब मेदांता को विश्व के अग्रणी अस्पतालों में स्थान मिला है, जो स्वास्थ्य सेवा उत्कृष्टता में इसके नेतृत्व की पुष्टि करता है। 2026 की रैंकिंग में भारत, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, जापान, सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम और यूनाइटेड स्टेट्स समेत 32 देशों के 2,500+ अस्पतालों को इवैल्यूएट किया गया। यह मूल्यांकन हजारों चिकित्सा विशेषज्ञों की सिफारिशों, रोगी अनुभव डेटा, अस्पताल गुणवत्ता मानकों और रोगी-रिपोर्टेड आउटकम मेजर्स (पीआरओएमएस) कार्यान्वयन सर्वेक्षण पर आधारित था - जिससे एक व्यापक और रोगी-केंद्रित मूल्यांकन ढांचा सुनिश्चित हुआ। इस उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, मेदांता के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. नरेश त्रेहान ने कहा, भारत में नंबर 1 अस्पताल के रूप में मान्यता प्राप्त करना नैदानिक उत्कृष्टता, नवाचार और रोगी-केंद्रित देखभाल के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मेदांता में, हम निरंतर उन्नत उपचारों में अग्रणी बनने, अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने और परिणामों में सुधार करने के लिए प्रयासरत हैं, साथ ही विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा को सभी के लिए सुलभ बनाने का प्रयास करते हैं, जो हमारे मार्गदर्शक दर्शन 'हर एक जान अनमोल' के अनुरूप है। मेदांता को लगातार मिल रही मान्यताएं चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार और डिजिटल परिवर्तन पर इसके अटूट ध्यान को रेखांकित करती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और स्वचालन में रणनीतिक निवेश के माध्यम से, अस्पताल उन्नत बुनियादी ढांचे को अत्याधुनिक तकनीकों के साथ एकीकृत करता है ताकि नैदानिक परिणामों और रोगी अनुभव को बढ़ाया जा सके। यह अनुसंधान को आगे बढ़ाने, चिकित्सा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने और भारत और उससे बाहर के रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली, सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बदलापुर में निजी भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप डीएम-एसपी से लगाई गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां बेनामा की गई निजी भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगा है। ग्राम बखोपुर निवासी 75 वर्षीय कलावती कृष्णानंद तिवारी ने जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का कहना है कि उन्होंने विधिवत पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से भूमि खरीदी थी, जो राजस्व अभिलेख (खतौनी) में उनके नाम दर्ज है। उसी भूमि पर उनका आवास भी निर्मित है। आरोप है कि जब वह परिवार सहित रोजगार के सिलसिले में मुंबई में रह रही थीं, उसी दौरान गांव के कुछ दबंग और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों ने उनके आवास के सामने स्थित निजी भूमि पर ईंट और गोबर डालकर अवैध अतिक्रमण कर लिया। पीड़िता के अनुसार, जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने भूमि खाली करने से इनकार कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। महिला का यह भी कहना है कि विरोधी पक्ष प्रशासन को गुमराह कर रहा है और यह दावा कर रहा है कि भूमि विवाद न्यायालय में लंबित है, जबकि संबंधित आराजी संख्या अलग है और उनका भू-भाग पूरी तरह पृथक है। प्रार्थिनी का कहना है कि उन्होंने एसडीएम बदलापुर, तहसीलदार और लेखपाल को कई बार लिखित शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस मामले में गिरिवानंद तिवारी, दयानंद तिवारी और सर्वनंद तिवारी पर आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित महिला ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बेनामा की गई भूमि से तत्काल अवैध अतिक्रमण हटवाया जाए, उन्हें कब्जा दिलाया जाए तथा आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन इस प्रकरण में क्या कदम उठाता है।

जौनपुर में वृहद रोजगार मेला: 60 कंपनियां पहुंचीं, युवाओं को मौके पर मिले नियुक्ति पत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश पर युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शनिवार को राजकीय आईटीआई सिद्धिकपुर परिसर में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव और एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू ने दीप प्रज्वलन व फीता काटकर किया। मेले में टाटा, हिंदालको समेत करीब 60 प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग किया। स्किल, नॉन-स्किल व विभिन्न डिग्रीधारक युवाओं के लिए साक्षात्कार की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री ने कहा कि सरकार पारदर्शी प्रक्रिया से युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना और मुद्रा योजना के माध्यम से स्वरोजगार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से अभ्युदय कोचिंग और अन्य योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थियों को मौके पर ही नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। राजीव कुमार, शैफ, मंजीत कुमार, लैश कुमार, वैभव यादव, आकाश, मनीष, प्रिया यादव, काजल यादव, रत्नेश कुमार और विपिन सिंह को सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जनपद विकास के पथ पर अग्रसर है और युवाओं को रोजगार देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने बताया कि सेवायोजन विभाग के माध्यम से पारदर्शी ढंग से रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने युवाओं को सीएम युवा उद्यमी विकास योजना के तहत ब्याजमुक्त ऋण लेकर स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया। मेले में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ०गोरखनाथ पटेल सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

किसानों ने फसल बचाने के लिए जिलाधिकारी से लगाई गुहार

-शुभम यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड धमार्पुर ग्राम पंचायत बघंद्रा, कौवापर,गद्दोपुर के किसानों ने दिनांक 28/02/26 को जिलाधिकारी जौनपुर से फसल बचाने के लिए लगाई गुहार,बताया जाता हैं। कि इस समय बिजली विभाग के लोग हाई वोल्टेज का तार खींच रहे। जिससे किसानों की फसल काफी नुकसान हो रही हैं। किसानों के मना करने पर भी बिजली विभाग के लोग जबरन तार ले जाने की धमकी दे रहे हैं।बिजली विभाग के लोग किसानों को धमकी देते हैं कि हम भी लोग तार को लेकर ही जाएंगे और पुलिस प्रशासन को भी साथ लेकर आएंगे कोई नहीं रोक सकता है।जिससे किसानों में कभी भय का माहौल जाग उठा हैं। किसान भाइयों का कहना है कि जब तक फसल की कटाई नहीं हो जाती तब तक तार को न खींचा जाय। जिससे कि फस नुकसान होने से बच जाय लेकिन बिजली विभाग के लोग मान नहीं रहे है।

जिसके बाद बघंद्रा निवासी राजकिशोर यादव, श्रीपत, राजपति यादव,यादव, बबलू यादव, रामचंद्र यादव, विकाश यादव, विशाल विश्वकर्मा, विजेंद्र यादव, व कौवापार विवासी राधे यादव व विकास खण्ड धमार्पुर के वार्ड नंबर 71 के भावी जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी सत्यम यादव सत्या ने जिलाधिकारी जौनपुर से फसल की कटाई हो जाने बाद तार खींचने की गुहार लगाई जिस पर जिलाधिकारी के आफिस से उचित कारवाही हेतु सांत्वना मिला।

मझौली गांव में शैलेश जौनपुरिया अखाड़े का शुभारंभ, विभिन्न जिलों के क्रिएटर और हस्तियां रहीं मौजूद

-रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के मझौली गांव में शनिवार को शैलेश जौनपुरिया अखाड़े का उद्घाटन किया गया। यह अखाड़ा मझौली गांव स्थित रामनवल यादव के आवास के बगल में बनाया गया है। अखाड़े का उद्घघाटन दोपहर एक बजे हुए। इस कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए सोशल मीडिया क्रिएटर और प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। अखाड़े की ओर से सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। उन्हें माल्यार्पण कर पुष्प गुच्छ भेंट किए गए। उद्घाटन समारोह में भूवर अखाड़ा आजमगढ़ के सोशल मीडिया प्रभारी, मिस्टर बी-टेक गोस्वामी, गाजीपुर से एसआई विपिन यादव और सद्दाम हुसैन, बनारस से शेषनाथ यादव और एनएसजी कमांडो रमेश यादव, जलालपुर से राहुल कुमार यादव और नितेश यादव, गायक बन्नी लाल यादव, सिंगर निलेश यादव, शम्भूगंज से अभिषेक यादव, पत्रकार पंकज विश्वकर्मा सहित कई सोशल मीडिया क्रिएटर और प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामनवल यादव और शैलेश यादव ने की, जबकि पत्रकार पंकज विश्वकर्मा ने इसका संचालन किया।इस कार्यक्रम में समरबहादुर यादव (पूर्व प्रधान), विनोद यादव (प्रधान पद प्रत्याशी), वर्तमान प्रधान साधु मौर्या, राकेश कुमार यादव, दिनेश कुमार यादव, अवधेश कुमार यादव, मिथलेश कुमार यादव, सुनील कुमार यादव, डॉ. डब्लू यादव, जयसिंह यादव, राहुल यादव, रामदवर यादव, रामनारायन यादव, सत्यप्रकाश चौबे, उमेश तिवारी, राजन पांडेय, सचिन यादव, शैलेश मौर्या, रघु, विक्की और शुभम यादव सहित भारी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद थे।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने का आरोपित गिरफ्तार

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत खुटहन रोड निवासी एक युवक पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर सालों तक दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। जिसमें पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपित युवक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी हुई थी। शनिवार को पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया।

नगर के खुटहन मार्ग निवासी वीरू उर्फ शशांक पुत्र शिव प्रसाद के मकान में जनपद के गौराबादशाहपुर निवासी पूजा सोनी पुत्री मृत्युंजय सोनी जो कि शशांक के मकान में किराए पर रहती थी। वहीं धीरे धीरे दोनो को प्यार हो गया। जिसमें शशांक ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारिरिक संबंध बनाने लगा। घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने किराएदार युवती को मकान से निकल दिया। वहीं जब युवती गर्भवती हो गई। तों युवक ने शादी से इंकार कर दिया। पीड़िता ने घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित युवक के विरूद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी हुई थी। शनिवार को मुखबिर की सूचना पर घर के समीप से आरोपित युवक को कोतवाली निरीक्षक किरन कुमार सिंह व उपनिरीक्षक ओमप्रकाश पांडे ने हमराहियों संग गिरफ्तार कर चालान भेज दिया।

वाराणसी में महिला पत्रकार से बदसलूकी, अब सीएम से शिकायत की तैयारी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस एक बार फिर सवालों के घेरे में है। रंगभरी एकादशी की कवरेज के दौरान महिला पत्रकार के साथ कथित अभद्रता का मामला सामने आया है, जिसने मीडिया जगत में आक्रोश पैदा कर दिया है।आरोप है कि काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर 4 पर ड्यूटी में तैनात अउढ अंजनी कुमार राय ने कवरेज कर रहीं भदैनी मिरर की पत्रकार स्मिता के साथ बदसलूकी की। बीच-बचाव करने पहुंचे एक अन्य पत्रकार को भी मौजूद पुलिसकर्मियों द्वारा थप्पड़ मारे जाने का आरोप है। पत्रकारों का कहना है कि भीड़ नियंत्रण में नाकाम पुलिस ने अपना गुस्सा मीडिया पर निकाला। घटना के बाद से स्थानीय पत्रकारों में भारी रोष है।

अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो मामला सीधे मुख्यमंत्री तक ले जाने की बात कही जा रही है। पत्रकारों ने स्पष्ट कर दिया है कि सम्मान और सुरक्षा से समझौता नहीं होगा अब न्याय की मांग सीधे शीर्ष स्तर पर रखी जाएगी।

स्नेहा दुबे पंडित ने श्री शिव महापुराण कथा में लिया हिस्सा

वसई । वसई में भक्ति और उत्साह का माहौलवसईः परनाका, वसई गांव व वसई वेस्ट के लाला मंडल द्वारा आयोजित भव्य श्री शिव महापुराण कथा कार्यक्रम का आयोजन हाल ही में उत्साह और भक्ति से परिपूर्ण माहौल में हुआ। इस पावन अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने उपस्थित होकर इस धार्मिक समारोह को और भी खास बनाया।कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव की महिमा और उनके आध्यात्मिक संदेश को बड़े ही सुंदर और स्पष्ट रूप से भक्तों तक पहुंचाया गया। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, भक्त, पदाधिकारी और समाजसेवी इस कथा कार्यक्रम में शामिल हुए, जिससे पूरा इलाका भक्ति और श्रद्धा में डूबा रहा।इस अवसर पर वसई सिटी काउंसिल के प्रेसिडेंट मिसेज गीतांजलि दरीवाला के साथ ही मिस्टर चेतन वार्शिकर, मिस्टर संतोष काकड़, मिसेज सुचिता शेट्टी, मिस्टर राजेश राठौड़, मिसेज राजल नाइक, मिस्टर आदित्य वगल, मिस्टर विलास चौधरी, मिस्टर मयंक ठक्कर, मिसेज साधना पाटिल, मिस्टर निनाद नाइक, मिस्टर अक्षय कदम, मिस्टर सागर सावंत, मिस्टर जितेंद्र ठक्कर, मिस्टर अविनाश चावंडे, मोहन चौधरी सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।इस तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में एकता, विश्वास और सकारात्मक सोच बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। आयोजकों को इस भव्य आयोजन के लिए दिल से बधाई और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

नशा, निराशा तथा नकारात्मकता से दूर रहे युवा : ज्ञान प्रकाश

राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय के 61 वें वार्षिकोत्सव का शुभारंभ

जौनपुर। युवा देश के स्वर्णिम भविष्य हैं। देश सशक्त और आत्मनिर्भर बने, इसके लिए युवाओं को नशा ,निराशा तथा नकारात्मकता से दूर रहना होगा। देश की प्रतिष्ठित महाविद्यालय राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, सिंगरामऊ के दो दिवसीय 61 वें वार्षिकोत्सव *विहंगम 2026* के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए देश के जाने माने उद्योगपति तथा प्रख्यात समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने उपरोक्त बातें कही। बच्चों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बड़े संकल्प के साथ अपनी मंजिल को तय करने के लिए लगातार मेहनत करें। दूर दृष्टि, पक्का इरादा और अनुशासन ही इंसान को कामयाब बनाता है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह महाविद्यालय हमेशा से ही जनपद का गौरव रहा है। उन्हें पूरा विश्वास है कि यहां के विद्यार्थी आने वाले दिनों में समाज और राष्ट्र को मजबूत करने की दिशा में सार्थक भूमिका प्रस्तुत करेंगे। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबंधक कुंवर जयसिंह ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे तथा सम्मानित अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा उप प्राचार्य प्रोफेसर इंदु प्रकाश सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुआ। इसके बाद कला, विज्ञान, वाणिज्य तथा शिक्षा संकाय के विद्यार्थियों द्वारा परेड मार्च का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ज्ञान प्रकाश सिंह के हाथों महाविद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट और भेंट वस्तु देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों द्वारा मशाल दौड़ तथा 800 मीटर रेस का भी भव्य आयोजन किया गया। सभी विजेताओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी डॉ.सीमा सिंह, क्रीड़ा प्रभारी मेजर डॉ सत्य प्रकाश सिंह समेत महाविद्यालय के सभी प्रोफेसर उपस्थित रहे। अंत में प्रबंधक कुंवर जय सिंह ने समस्त लोगों के प्रति आभार प्रकट करते हुए शुभकामनाएं दी।

टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल में होली मिलन समारोह संपन्न

पटना। टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल, राजेंद्र नगर, रोड नंबर 6 में होली मिलन समारोह बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शिशु कक्षा, प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। विशेष रूप से होली नृत्य ने उपस्थित सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने ह्लहोली खेले रघुवीराह्व गीत पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने खूब सराहा। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने प्राकृतिक रंगों से होली खेलने का संकल्प लिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक सौहार्द एवं भाईचारे का प्रेरणादायी संदेश दिया। विद्यालय के निदेशक लायन राजीव भार्गव एवं प्रधानाचार्या लायन शिवानी भार्गव ने विद्यार्थियों को प्राकृतिक गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने होलिका दहन के महत्व को समझाते हुए कहा कि होली का पर्व हमें बुराई का त्याग कर सत्य, दया, प्रेम एवं भाईचारे का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देता है।

आंखों के इलाज का विश्वसनीय केंद्र शंकर नेत्रालय

शंकर नेत्रालय (जेकेसीएन) - गांधी नगर, चेन्नई समीक्षा

चेन्नई। देश के प्रतिष्ठित नेत्र चिकित्सालयों में से एक शंकर नेत्रालय आज पूरे भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों से आने वाले मरीजों के लिए भी उम्मीद की किरण बना हुआ है। यहां देश के कोने-कोने से लोग अपनी आंखों का इलाज कराने पहुंचते हैं। कई मरीज निराश होकर आते हैं और सफल उपचार के बाद संतोष और मुस्कान के साथ लौटते हैं। अस्पताल में आधुनिक तकनीक और अनुभवी डॉक्टरों की टीम मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान करती है। यहां प्रतिदिन लगभग 1500 मरीजों को परामर्श और उपचार दिया जाता है। इसी क्रम में उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि गुजरात में कई इंजेक्शन लगने के बाद भी उनकी आंखों की समस्या ठीक नहीं हो पा रही थी। कोरोना काल के दौरान उन्होंने बिना विलंब के शंकर नेत्रालय में अपॉइंटमेंट लिया और वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ Dr. Chetan Rao से परामर्श प्राप्त किया। डॉ. चेतन राव द्वारा किए गए उपचार और एक छोटे लेजर प्रक्रिया के बाद उनकी दृष्टि में धीरे-धीरे सुधार हुआ। आज वे पहले से बेहतर देख पा रहे हैं और अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था की सराहना करते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि आंखों से संबंधित गंभीर समस्या होने पर समय गंवाने के बजाय विशेषज्ञ संस्थान में उपचार कराएं। उनके अनुसार, शंकर नेत्रालय न केवल इलाज करता है बल्कि मरीजों के जीवन में नई रोशनी लाने का कार्य करता है।

सरकारी अस्पताल में प्राइवेट पैथोलॉजी और अल्ट्रासाउंड संचालकों का जमावड़ा, प्रशासन मौन

* गार्ड तैनाती के बावजूद मरीजों से ब्लड सैंपल लेने का आरोप,
* सीएचसी अधीक्षक को सूचना के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

-इम्तियाज अहमद

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में इन दिनों प्राइवेट पैथोलॉजी व अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालकों की गतिविधियां चर्चा का विषय बनी हुई हैं। आरोप है कि निजी सेंटर संचालक खुलेआम सरकारी अस्पताल परिसर में प्रवेश कर रहे हैं और न केवल मरीजों से संपर्क कर रहे हैं, बल्कि अस्पताल के अंदर ही ब्लड सैंपल लेकर अपने निजी सेंटर पर जांच के लिए भेज रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर किसके संरक्षण में यह पूरा खेल चल रहा है?

डॉ. के आवास और कमरों तक पहुंच रहे निजी संचालक

स्थानीय लोगों और अस्पताल में आए मरीजों के परिजनों का कहना है कि प्राइवेट पैथोलॉजी व अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालक अस्पताल परिसर में धड़ल्ले से घूमते देखे जा रहे हैं। इतना ही नहीं, वे डॉक्टरों के आवास और कमरों तक पहुंचकर अपनी धौंस जमाते नजर आते हैं। इससे अस्पताल की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक नियंत्रण पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मरीजों का आरोप है कि उन्हें सरकारी जांच सुविधाओं के बजाय निजी सेंटरों पर जांच कराने के लिए प्रेरित किया जाता है।

गार्ड तैनात, फिर भी नहीं रुक रही गतिविधियां

सरकारी अस्पताल परिसर में सुरक्षा के लिए गार्ड तैनात किए गए हैं। अस्पताल परिसर में स्पष्ट रूप से बैनर भी लगा है, जिसमें लिखा है कि ह्लप्राइवेट अल्ट्रासाउंड व पैथोलॉजी सेंटर संचालकों का प्रवेश सख्त मना है। इसके बावजूद निजी सेंटर संचालकों का अस्पताल में आना-जाना जारी है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि जब गार्ड की तैनाती की गई है तो आखिर उनका दायित्व क्या है? क्या गार्ड अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं या फिर किसी दबाव में चुप हैं?

मरीजों से अस्पताल में ही लिया जा रहा ब्लड सैंपल

सूत्रों के अनुसार, कई बार निजी सेंटर संचालकों को अस्पताल के अंदर ही मरीजों का ब्लड सैंपल लेते देखा गया है। इसके बाद सैंपल को अपने निजी लैब में जांच के लिए ले जाया जाता है। इस तरह की गतिविधियां न केवल नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि इससे मरीजों की सुरक्षा और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ता है।

सूचना के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

बताया जाता है कि इस पूरे मामले की जानकारी सीएचसी अधीक्षक को भी दी गई है। बावजूद इसके अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह प्रवृत्ति और बढ़ सकती है, जिससे सरकारी अस्पताल की व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो सकती है।

प्रशासन से उठी जांच की मांग

जनता ने जिला स्वास्थ्य विभाग और उच्च अधिकारियों से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि निजी सेंटर संचालक नियमों का उल्लंघन करते पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, अस्पताल प्रशासन की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए कि आखिर किन परिस्थितियों में बार-बार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और क्या सरकारी अस्पताल की गरिमा एवं व्यवस्था को बहाल करने के लिए कोई ठोस कदम उठाए जाते हैं या नहीं। आश्चर्य तो तब होता है जब किसी जानकारी के सम्बन्ध में अधिक्षक को पत्रकारों द्वारा फोन करनें पर उनका बेतुका जबाब होता है कौन बोल रहे हो सर मैं पत्रकार हूं आपसे कुछ जानकारी चाहिये। इतना सुनते ही अधीक्षक का जवाब होता है फोन रक्खो अभी मैं मिटींग में हूं बाद में फोन करना ये कहकर फोन को काट दिया जाता है।

विहिप के महामंत्री आषुतोष तिवारी ने उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से की शुभेच्छा भेंट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू परिषद वसई जिला महामंत्री आशुतोष तिवारी मुम्बई से पधारे अपने मातृभूमि उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर ग्राम सभा लखनेपुर, न्याय पंचायत जोखापुर बदलापुर ग्राम हरिदास पट्टी पहुंचने के बाद दिनांक 28 फरवरी 2026 को दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल और स्वस्थ के बारे जानकारी लेने उनके आवास जनपद जौनपुर विकास खंड मछली शहर, पोस्ट पवारा बाजार पहुंचने पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से शुभेच्छा भेंट की। दिनांक 2 फरवरी 2026 को पैर और कमर में फ्रेक्चर होने के कारण तत्काल मुंगरा बादशाहपुर रुची अस्पताल में लाया गया। जहां से डॉ दीपक चौरसिया ने प्रयागराज रेफर कर दिया। प्रयागराज के प्रीती नर्सिंग होम में दिनांक 5 फरवरी को डॉ प्रमोद कुमार सिंह (पी के सिंह) आर्थो सर्जन ने सफल आप्रेशन किया। उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के नालासोपारा के आशुतोष विश्व नाथ तिवारी, बड़े भाई राजेश तिवारी (जिला पंचायत भावी उम्मीदवार) , ब्रह्मदेव मिश्रा भी साथ में पहुंचे और प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल जाना तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें ईश्वर से प्रार्थना की।

वसई-विरार में पार्किंग साइन लगाने की मांग

वसई। वसई-विरार में दोपहिया वाहन चालकों को पार्किंग और टोइंग से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर में कुछ जगहों पर ही पार्किंग और नो पार्किंग के साइन लगे हैं, जबकि अन्य जगहों पर स्पष्ट संकेत नहीं हैं। इस कारण, नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस की मिलीभगत से कई दोपहिया वाहनों को टो किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के वसई रोड मंडल अध्यक्ष और नगरसेवक महेश सरवणकर ने ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम से आग्रह किया है कि शहर के विभिन्न स्थानों पर मोटे अक्षरों में पार्किंग और नो पार्किंग के साइन लगाए जाएँ। इससे नागरिकों को यह स्पष्ट हो जाएगा कि वे अपने वाहन कहाँ सुरक्षित रूप से पार्क कर सकते हैं और किन जगहों पर पार्किंग निषिद्ध है। वर्तमान में, स्टेशन क्षेत्र में कुछ सीमित जगहों पर ही साइन लगे हैं। इसके कारण दोपहिया वाहन चालक छोटे काम के लिए गाड़ी पार्क करके जाने पर भी भारी जुमार्ना (लगभग 700 रुपये) और अतिरिक्त खर्च (स्पेशल रिक्शा आदि) झेल रहे हैं। महेश सरवणकर ने कहा कि अगर पार्किंग और नो पार्किंग के साइन स्पष्ट रूप से लगाए जाएँ, तो नागरिकों की आर्थिक और मानसिक परेशानी कम होगी और शहर में पार्किंग व्यवस्था भी व्यवस्थित होगी।

वसई-विरार में सड़क और पुल निर्माण के लिए 19 करोड़ रुपये की बजट मांग

वसई रोड। महाराष्ट्र के बजट सत्र से पहले, भाजपा विधायक राजन नाइक ने राज्य सरकार से वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन क्षेत्र में ट्रैफिक जाम को कम करने और नागरिकों की सुविधा के लिए पुल और कंक्रीट सड़कों के निर्माण के लिए बजट में 19 करोड़ रुपये का प्रावधान करने की मांग की है। वसई तालुका में तेजी से शहरीकरण होने के कारण कई सड़कों की खराब हालत ट्रैफिक जाम का कारण बन रही है। विधायक नाइक ने लेटर में कहा कि इस साल के बजट में ये प्रावधान मंजूर होने से स्थानीय नागरिकों को राहत मिलेगी। विशेष मांगों में खारडी-डोलिव सड़क पर पुल निमार्णः 5 करोड़ रुपये, वैतरणा स्टेशन से डोलिव गांव तक कंक्रीट सड़कः 6.5 करोड़ रुपये, एस. टी. डिपो से परनाका-अनार्ला-कनेर-शिरसाद-अंबाडी सड़कः 7.5 करोड़ रुपये, शामिल है। भाजपा महासचिव मनोज बारोट ने मीडिया को इस जानकारी की पुष्टि की।

आरटीओ ऑफिस के आसपास सक्रिय फर्जी एजेंट,13 हजार की ठगी का मामला दर्ज

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद बलरामपुर के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में 13,000 की ठगी का एक मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पाटन बसनपुर, तुलसीपुर निवासी कैलाश ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उन्होंने एक कुटकुट रिक्शा का विक्रय किया था। इस दौरान बलरामपुर आरटीओ कार्यालय के सामने मौजूद एक तथाकथित एजेंट ने वाहन ट्रांसफर कराने का भरोसा दिलाया और इस काम के लिए 13,000 रुपये ले लिए। पीड़ित का आरोप है कि रुपये लेने के बावजूद न तो वाहन का ट्रांसफर कराया गया और न ही अब तक धनराशि वापस की गई। बार-बार संपर्क करने पर केवल आश्वासन दिया जाता रहा, लेकिन कोई कार्य नहीं हुआ। अंततः स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बताया जा रहा है कि बलरामपुर आरटीओ कार्यालय के इर्द-गिर्द इस तरह के कई एजेंट रोजाना दुकान सजाए रहते हैं, जिनके झांसे में आकर आम लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी ऐसे मामलों की शिकायतें सामने आती रही हैं। थाना कोतवाली देहात में 26 फरवरी 2026 को एफआईआर संख्या 0053 दर्ज की गई है। मामले की जांच उप निरीक्षक वीरेंद्र प्रसाद पाल को सौंपी गई है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आरटीओ कार्यालय के आसपास सक्रिय फर्जी एजेंटों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को ठगी से बचाया जा सके।

संविधान रक्षक सेना में अजय प्रजापति को राष्ट्रीय सह संयोजक की जिम्मेदारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ने संगठनात्मक विस्तार और राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक न्याय की मुहिम को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अजय प्रजापति (मुंबई) को राष्ट्रीय सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है। इस नियुक्ति से संगठन के कार्यकताओं एवं समर्थकों में उत्साह की लहर है। अजय प्रजापति लंबे समय से सामाजिक, शैक्षिक और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। जमीनी स्तर पर समाज को संगठित करने और वंचित वर्गों की आवाज को मंच प्रदान करने में उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही है। संगठन ने उनके अनुभव, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक प्रतिबद्धता को देखते हुए यह दायित्व सौंपा है। संविधान रक्षक सेना का उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार करना नहीं, बल्कि भारत के वंचित, दलित, पिछड़े और आदिवासी समाज की वास्तविक आवाज को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में स्थापित करना है। संगठन सामाजिक न्याय, समान अवसर और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। संगठन का मानना है कि कोई भी आंदोलन ऊपर से थोपा हुआ नहीं होना चाहिए, बल्कि वह समाज की जमीन से सामूहिक चिंतन और अनुभवों से उभरना चाहिए। इसी सोच के साथ देशव्यापी स्तर पर विभिन्न संवैधानिक एवं सामाजिक मुद्दों पर व्यापक परामर्श प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है ! नव नियुक्त राष्ट्रीय सह-संयोजक अजय प्रजापति ने कहा कि यह जिम्मेदारी व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि समाज के विश्वास और अपेक्षाओं का प्रतीक है। उन्होंने सभी साथियों से एकजुट होकर संवैधानिक मूल्यों की रक्षा एवं सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

ठाणे। सेल्फी ढाबा लॉजिंग बॉडिंग में मानव तस्करी का भंडाफोड़

ठाणे जिले के मीरा भायंदर क्षेत्र में नायगांव पुलिस स्टेशन और एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच यूनिट-1 (काशीमीरा) ने सेल्फी ढाबा लॉजिंग बॉडिंग में चल रहे वेश्याव्यवसाय का पदार्फाश किया। इस कार्रवाई में 7 आरोपी–दो मैनेजर, एक केशियर और चार वेटर–को हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने 10 लड़कियों को बचाया, जिनमें एक 15 वर्षीय नाबालिक लड़की भी शामिल थी। आरोपी लड़कियों को ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए छुपे कमरे और दलाल नेटवर्क का उपयोग कर रहे थे। मौके से मोबाइल, नकदी, अंग्रेजी शराब, कंडोम पैकेट और अन्य सामान जब्त किया गया। क्राइम ब्रांच की टीम, वरिष्ठ पीआई सुशील कुमार शिंदे के नेतृत्व में, मामले की गहन जांच कर रही है। आरोपियों के खिलाफ इठर एक्ट, पोक्सो एक्ट, पीटा एक्ट, जे जे एक्ट और दारूबंदी एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की गई। प्रारंभिक जांच में संकेत मिल रहे हैं कि यह वेश्याव्यवसाय का बड़ा गिरोह हो सकता है। पुलिस अन्य सहयोगियों और दलालों की तलाश में है, ताकि और भी पीड़ित लड़कियों को बचाया जा सके।

भायंदर वेस्ट रीना मेहता कॉलेज में जॉब फेयर का भव्य आयोजन, 45 कंपनियों ने लिया भाग

उदयभान गुप्ता

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर वेस्ट स्थित रीना मेहता कॉलेज में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भव्य जॉब फेयर का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में लगभग 45 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया और विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को नौकरी के अवसर प्रदान किए। इस जॉब फेयर में पूरे महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लगभग 750 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया, जबकि 450 विद्यार्थियों ने ऑफलाइन आवेदन कर कार्यक्रम में सहभागिता की। कुल मिलाकर करीब 1200 छात्रों ने इस रोजगार मेले में भाग लेकर अपने करियर की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कंपनियों द्वारा इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन और प्रारंभिक चयन प्रक्रिया आयोजित की गई। छात्रों को आईटी, बैंकिंग, मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल और अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे । कॉलेज प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के जॉब फेयर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सीधे उद्योग जगत से जोड़ना और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। छात्रों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे अपने भविष्य के लिए उपयोगी बताया। स्थानीय स्तर पर आयोजित यह जॉब फेयर युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर साबित हुआ और क्षेत्र में शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती पर शतक फिल्म का भव्य प्रक्षेपण

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के पावन अवसर पर भाजपा चांदीवली विधानसभा की ओर से गुरुवार, 26 फरवरी को साकीनाका स्थित मैक्सिस थिएटर (90 फीट रोड) में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शतक फिल्म का निःशुल्क विशेष प्रक्षेपण आयोजित किया गया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख रूप से जयप्रकाश सिंह (भाजपा यूबीएम मुंबई अध्यक्ष), संतोष केलकर (चेयरमैन, जनकल्याण बैंक), वसीम खान (भाजपा अल्पसंख्यक मुंबई अध्यक्ष), नगरसेवक डॉ. नितेश राजहंस सिंह, नगरसेवक हरिश भादिग्रे, नगरसेवक चंदन शर्मा, पूर्व नगरसेवक महेश पारकर, पूर्व नगरसेवक ईश्वर तायडे, रमाकांत गुप्ता (बेस्ट कमेटी सदस्य), राजेश चतुर्वेदी (भाजपा शिक्षक सेल जिला अध्यक्ष), एडवोकेट वी. टी. दुबे (अधिवक्ता, हाई कोर्ट), कुशलवीर चिराग गुप्ता (भाजपा युवा कार्यकर्ता), कमलेश पारिख (स्वयंसेवक, राजस्थान सीकर गौशाला प्रमुख), सचिन तोड़कर (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, कुर्ला भाग सह कार्यवाह), कैप्टन संतोष सिंह (भाजपा महाराष्ट्र सदस्य), अखिलेश तिवारी (प्रवक्ता एवं समाजसेवक), विनोद तिवारी (DCM, बेस्ट परिवहन), मुकेश जायसवाल (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, उमा महेश्वर नगर कार्यवाह), संजय यादव (भाजपा काजूपाड़ा मंडल अध्यक्ष) एवं आशीष गिरी (भाजपा कुर्ला कमानी मंडल अध्यक्ष) उपस्थित रहे।इस अवसर पर वक्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर प्रकाश डाला। उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने कार्यक्रम की सराहना की।कार्यक्रम के आयोजक एडवोकेट वीरेंद्र दुबे (भाजपा यूबीएम मुंबई महामंत्री एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष, चांदीवली विधानसभा) तथा हरिकेश जायसवाल (भाजपा मध्य उत्तर जिला उपाध्यक्ष) थे। उनके साथ चांदीवली विधानसभा के सभी पुरुष एवं महिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सफल आयोजन

काशी विश्वनाथ मंदिर में रंग भरी एकादशी की शिवमय धूम

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में काशी विश्वनाथ मंदिर के दिव्य दरबार में रंग भरी एकादशी के पावन अवसर पर आस्था का ऐसा सागर उमड़ा कि पूरी काशी ह्लहर-हर महादेवह्व के जयघोष से गुंजायमान हो उठी। बाबा विश्वनाथ के चरणों में श्रद्धा के रंग बरस पड़े और मंदिर प्रांगण गुलाल व अबीर से सराबोर होकर मानो स्वयं शिवमय हो गया। सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें बाबा के दर्शन को आतुर दिखाई दीं। ढोल-नगाड़ों की मंगल ध्वनि, शंखनाद और वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच जब बाबा को गुलाल अर्पित किया गया, तो वातावरण भक्तिरस में डूब गया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं देवाधिदेव महादेव अपने भक्तों संग होली का आनंद ले रहे हों। रंग भरी एकादशी का यह उत्सव केवल रंगों का नहीं, बल्कि भक्ति, प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। श्रद्धालु बोल बम और हर हर महादेव के जयकारों के साथ नाचते-गाते नजर आए। हर चेहरा आस्था के रंग में रंगा था, हर हृदय शिवमय हो उठा था।काशी की पावन धरा पर आज एक बार फिर यह अनुभूति हुई कि जब-जब भक्त और भगवान का मिलन होता है, तब-तब धरती पर दिव्यता उतर आती है। बाबा विश्वनाथ की कृपा से संपूर्ण काशी आनंद और आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित हो उठी।

आरोही संस्कृति संगम महिला दिवस पर पांच उत्कृष्ट महिला विभूतियों को करेगी सम्मानित

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। सामाजिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक संस्था आरोही संस्कृति संगम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करके अमिट छाप छोड़ने वालीं पांच महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित करेगी। श्रीकटरा रामलीला कमेटी के राम वाटिका परिसर में आयोजित शुक्रवार को हुई बैठक में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। मुख्य अतिथि मनोज सक्सेना ने कहा, कला व संस्कृति के क्षेत्र में नई प्रतिभाओं को बढ़ाने की जरूरत है। अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा, महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए संस्था का काम प्रेरणादायी है। इससे महिलाएं बेहतर काम करने को प्रेरित होंगी। कला व संस्कृति के क्षेत्र में नई प्रतिभाओं को बढ़ाने में अतुलनीय योगदान देने के लिए एनसीजेडसीसी की सलाहकार कल्पना सहाय सम्मानित की गईं। संचालन कर रहे वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुनाथ द्विवेदी ने बताया कि संस्था की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए डा. बीना मिश्रा को कार्यकारी अध्यक्ष, शंभूनाथ श्रीवास्तव को सह कोषाध्यक्ष, कवि कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी देने के साथ कार्यकारिणी में रमा त्रिपाठी व श्वेता केसरवानी को शामिल किया गया है। स्वागत व आभार संस्था की सचिव प्रियंका चौहान ने ज्ञापित किया। बैठक में विश्व ज्योति सहाय, रागिनी चंद्रा, संजीव कुमार, अंशिता शुक्ला, मोनाल ठाकुर ,संदीपमा वर्मा,मंजू श्रीवास्तव, शैलेंद्र गुप्ता,आस्था,नैना आदि उपस्थित रहे।